राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार, १६ मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -५२ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१ रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजेपी सांसद कौशल किशोर की बहू अंकिता ने काटी हाथ की नस

बेटे आयुष पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज से बीजेपी सांसद कौशल किशोर के घर का कलह शांत होने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब आयुष की पत्नी व सांसद की बहू अंकिता ने उनके घर के बाहर पहुंचकर अपनी हाथ की नस काट कर खुदकुशी करने की कोशिश की। आननफानन में उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। नस काटने से चंद घंटे पहले अंकिता का एक वीडियो सामने आया था जिसमें वो रोते हुए नजर आई। वीडियो में अंकिता सांसद के पुत्र आयुष पर गंभीर आरोप लगाकर जान देने की बात कह रही थी। अंकिता ने यह भी कहा कि आयुष ने उसके साथ धोखा किया है। अंकिता ने अपने वीडियो में कहा- 'मैं किसी से नहीं लड़ सकती क्योंकि तुम्हारे पापा सांसद और मां विधायक हैं, मेरी कोई नहीं सुनेगा, मैं आज तक किसी को तुम्हें हाथ नहीं लगाने दिया, तो मैं तुम्हें कैसे मार सकती हूं, तुम कितना झूठ बोल रहे हो, तुमने और तुम्हारे घर वालों ने मुझे जीने के लिए नहीं छोड़ा।' वीडियो में अंकिता ने आगे कहा कि घर का किराया नहीं दिया, गैस सिलेंडर नहीं भरवाया, एक बार भी नहीं सोचा कि मैं क्या खाऊंगी। अगर तुम मेरे पास नहीं आओगे तो मुझे रहना भी नहीं हैं। मैं जा रही हूं। मैं जा रही हूं और तुम मुझे याद रखोगे और सोचोगे कि मुझसे ज्यादा चाहने वाला तुम्हें कोई और नहीं मिलेगा। मेरी मरने की वजह तुम हो और तुम्हारे घर वाले हैं, मैं जा रही हूं। आपको बता दें कि इससे पहले आयुष ने एक वीडियो जारी कर अपनी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए थे। उसने वीडियो में सफाई देते हुए बताया कि उसे पत्नी अंकिता सिंह ने फंसाया है। उसने कहा कि व सरेंडर कर देगा.।उसने कोई गलत काम नहीं किया है। उसने खुद पर गोली नहीं चलवाई। अगर वो उस दिन घर में होता तो उसकी हत्या कर दी जाती।

● **आयुष किशोर रविवार को खुद मड़ियांव थाने पहुंचा और बयान दर्ज कराया। आयुष ने अपने बयान में कहा कि उसे असलहा उसके दोस्त चंदन गुप्ता ने दिया था। आयुष ने खुद को बेकसूर बताते हुए आदर्श व उसकी बहन पर साजिश रचने का आरोप भी लगाया। इंस्पेक्टर मड़ियांव मनोज सिंह के मुताबिक, रविवार को करीब ढ़ाई घंटे तक आयुष से पूछताछ की गई। आयुष को सोमवार को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है।**

थाने पहुंचा आयुष, खुद को बताया बेकसूर

आयुष किशोर रविवार को खुद मड़ियांव थाने पहुंचा और बयान दर्ज कराया। आयुष ने अपने बयान में कहा कि उसे असलहा उसके दोस्त चंदन गुप्ता ने दिया था। आयुष ने खुद को बेकसूर बताते हुए आदर्श व उसकी बहन पर साजिश रचने का आरोप भी लगाया। इंस्पेक्टर मड़ियांव मनोज सिंह के मुताबिक, रविवार को करीब ढ़ाई घंटे तक आयुष से पूछताछ की गई। आयुष को सोमवार को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया है। बता दें, सांसद के बेटे पर खुद पर फायरिंग कराकर साजिश करने व धोखाधड़ी की एफआइआर दर्ज है।

बेकाबू हो रहे महाराष्ट्र के हालात, एक दिन में सामने आए सबसे अधिक 16,620 कोरोना मामले

नई दिल्ली। देश ने लंबे समय तक कोरोना की मार झेली और धीरे-धीरे कम होते आंकड़ों से राहत मिली। लेकिन एक बार फिर कोरोना जोर पकड़ रहा है और इससे सबसे अधिक महाराष्ट्र प्रभावित दिख रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र में रविवार को 16,620 नए कोविड -19 मामले सामने आए। ये इस साल का एक दिन का सबसे अधिक आंकड़ा है। इसने कुल केसलोड को 23,14,413 तक पहुंचा दिया है, जबकि 50 मौतों के बाद मरने वालों की कुल संख्या 52,861 हो गई है। पिछले दो दिनों में, राज्य की दैनिक मामले की गिनती 15,000 से ऊपर थी, जो कि रविवार को 16,000 पार कर गई। एक दिन में 8,861 लोग पूरी तरह ठीक हो चुके हैं, राज्य की ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 21,34,072 हो गई। राज्य की कोविड-19 रिकवरी दर 92.21 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 2.28 प्रतिशत है। विभाग ने एक बयान में कह कि वर्तमान में राज्य में 1,26,231 सक्रिय मामले हैं। फिलहाल, 5,83,713 लोग होम क्वारंटाइन, जबकि 5,493 अन्य लोग इंस्टीट्यूशन क्वारंटाइन में हैं। रविवार को 1,08,381 लोगों के कोरोना टेस्ट को मिलाकर राज्य में अबतक 1,75,16,885 लोगों की टेस्टिंग की जा चुकी है। मुंबई शहर में कोरोना के 1,963 नए मामले दर्ज हुए, पुणे शहर में 1,780, औरंगाबाद में 752, नांदेड़ में 351, पिंपरी चिंचवाड़ में 806, अमरावती शहर में 209 और नागपुर शहर में 1,976। इसके अलावा, अहमदनगर शहर में 151 नए मामले, जलगाँव शहर में 246 और नासिक शहर में 946 मामले दर्ज किए गए। हालांकि, मुंबई डिवीजन, ठाणे शहर, कल्याण डोंबिवली, उल्हासनगर, भिवंडी, मीरा भयंदर, पालघर, वसई-विरार, रायगढ़, पनवेल में पिछले 24 घंटों में संक्रमण के कारण एक भी मौत की सूचना नहीं आई है।

बिहार के किशनगंज में हादसा

सिलेंडर विस्फोट से लगी आग में एक ही परिवार के 4 बच्चों समेत पांच जिंदा जले

किशनगंज। बिहार के किशनगंज में दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत जिंदा जलने से हो गई। हादसा सोमवार तड़के हुआ। जानकारी के मुताबिक शहर के सलाम कॉलोनी के एक घर में सोमवार तड़के सिलेंडर फटने से भीषण आग भड़क गई। हादसे में जब तक लोग संभलते देखते ही देखते परिवार आग की तेज लपटों में घिर गया। इस अग्निकांड में एक ही परिवार के चार बच्चे और एक गृहस्वामी समेत पांच लोग जिंदा जल गए। हादसे में घर के मुखिया की पत्नी गंभीर रूप से झुलस गई है जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

गोपालगंज में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोग जिंदा जल गए-बता दें कि इससे पहले फरवरी 2019 बिहार के गोपालगंज जिले में बिजली के तारों में शार्ट सर्किट से झोपड़ी में आग लगने से एक ही परिवार के एक ही परिवार के चार लोग जिंदा जल गए थे वहीं एक नवजात सहित तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए थे।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई

दिल्ली, केरल और कर्नाटक में 10 जगहों पर छापामेरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इस्लामिक स्टेट से जुड़े व्यक्तियों के एक समूह के खिलाफ सोमवार को दिल्ली, केरल और कर्नाटक समेत 10 स्थानों पर छापेमारी की। बताया जा रहा है कि जांच एजेंसी की यह रेड 48 घंटे पहले दर्ज हुए एक नए केस से जुड़ा हुआ है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी पिछले कुछ दिनों से 6-7 व्यक्तियों के एक समूह पर नजर रख रही थी। जिसके बाद 48 घंटे पहले ही मामला दर्ज किया गया और अब देश के अलग-अलग हिस्सों में छापेमारी चल रही है। इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि इस छापेमारी में पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। हालांकि, अभी तक छापेमारी से संबंधित पूरी जानकारी सामने नहीं आई हैं।

पिछले साल किया था अल कायदा मॉड्यूल का भंडाफोड़-बता दें कि पिछले साल सितंबर में ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और केरल के एर्नाकुलम में अल-कायदा मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था। छापे के बाद अल-कायदा के 9 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें से 6 को पश्चिम बंगाल जबकि 3 को केरल से गिरफ्तार किए गए थे।

पाकिस्तान से रची जा रही थी साजिश-मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के बाद एनआईए ने बताया था कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, इन व्यक्तियों को सोशल मीडिया पर पाकिस्तान स्थित अल-कायदा आतंकवादियों द्वारा कट्टरपंथी बनाया गया था और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित कई स्थानों पर हमले करने के लिए प्रेरित किया गया था। मॉड्यूल सक्रिय रूप से धन उगाहने में लगा था और गिरोह के कुछ सदस्य हथियारों और गोला-बारूद की खरीद के लिए नई दिल्ली की यात्रा करने की योजना बना रहे थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा को टीएमसी ने बनाया उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यसमिति में भी किया शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व बीजेपी नेता यशवंत सिन्हा को पार्टी ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा उन्हें नेशनल वर्किंग कमिटी में भी शामिल किया गया है। शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री टीएमसी में शामिल हुए थे और पार्टी मुखिया ममता बनर्जी की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें रियल फाइटर बताया था। यशवंत सिन्हा अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वित्त और विदेश मंत्री थे। शनिवार को कोलकाता स्थित टीएमसी दफ्तर पहुंच यशवंत सिन्हा ने पार्टी जॉइन की थी। ममता बनर्जी की पार्टी में शामिल होने के मौके पर यशवंत सिन्हा ने कहा था कि दीदी पर हुए हमले के बाद उन्होंने तय कर लिया था कि अब टीएमसी में जाएंगे। हालांकि चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी पर हमले की बात को खारिज किया है। टीएमसी में शामिल होने के दौरान यशवंत सिन्हा ने कहा था कि अब बीजेपी के पास बचा ही कौन है। गठबंधन के तमाम सहयोगी

दल बीजेपी को छोड़ चुके हैं। यशवंत सिन्हा ने ममता बनर्जी की जमकर तारीफ करते हुए कहा था कि वह रियल फाइटर हैं। यहां तक कि कंधार विमान अपहरण कांड के दौरान उन्होंने खुद को आतंकियों के समक्ष पेश करने की बात कही थी। यशवंत सिन्हा ने कहा था, विमान अपहरण कांड को लेकर मीटिंग चल रही थी और इस दौरान ममता बनर्जी ने कहा था कि मैं आतंकियों के समक्ष खुद को बंधक के तौर पर पेश कर दूंगी। शर्त बस इतनी होगी कि बंधक बनाए गए यात्रियों को आतंकी छोड़ दें। 2018 में सिन्हा ने छोड़ दी थी बीजेपी- यशवंत सिन्हा 2014 के बाद से ही बीजेपी नेतृत्व से नाराज चल रहे थे। अकसर वह पार्टी नेतृत्व और केंद्र सरकार के फैसलों पर सवाल उठाते रहते थे। इसके बाद 2018 में उन्होंने बीजेपी छोड़ दी थी। तब से ही उनके किसी पार्टी में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ था। अब पश्चिम बंगाल चुनाव से ठीक पहले उन्होंने टीएमसी जॉइन की है। यशवंत सिन्हा को अटल बिहारी वाजपेयी के करीबी नेताओं में शुमार किया जाता था। एक नौकरशाह से राजनेता बने यशवंत सिन्हा तीन दशकों तक बीजेपी में रहे थे।

होली पर बिहार में सफर करना महंगा, प्राइवेट के बाद अब सरकारी बसों का किराया भी बढ़ने वाला है

पटना। होली पर घर जाना महंगा हो गया है। निजी बसों ने रविवार रात से बीस फीसदी भाड़ा बढ़ा दिया है। हालांकि, कुछ बस संचालक दो दिन पहले से ही बढ़ा हुआ भाड़ा वसूल रहे हैं। सूत्रों के अनुसार सरकारी बसों में भाड़ा बढ़ाने का प्रस्ताव परिवहन निगम को भेज दिया गया है। मीठापुर बस स्टैंड से खुलने वाली ज्यादातर रूटों की निजी बसों में किराया बीस फीसदी तक बढ़ाया गया है। इस तरह उत्तर बिहार के अलावा बिहारशरीफ, नवादा और अन्य जगहों के यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इससे पहले 02 अक्टूबर 2018 को बस का किराया बढ़ाया गया था। बिहार मोटर ट्रांसपोर्ट फेडरेशन का कहना है कि डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के कारण किराया बढ़ाना मजबूरी है। फेडरेशन ने यात्रियों से सहयोग करने की अपील की है। फेडरेशन के अध्यक्ष उदय शंकर प्रसाद सिंह ने बताया कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों वृद्धि के बाद बस परिचालन घाटे में हो रहा है। इसलिए किराया बढ़ाना मजबूरी है।

कहां से कहां तक - नॉन एसी - एसी
पटना से फतुहा : 30 रुपये - 40 रुपये
पटना से शेखपुरा : 125 रुपये - 145 रुपये
पटना से बरबीघा :115 रुपये - 125 रुपये
पटना से राजगीर : 100 रुपये - 120 रुपये
पटना से वारिसलीगंज मोड़ :110 रुपये - 130 रुपये
पटना से वारिसलीगंज : 120 रुपये - 140 रुपये
पटना से जहानाबाद : 75 रुपये - 85 रुपये
पटना से पकरीबरामा : 130 रुपये - 150 रुपये
पटना से अरेराज : 220 रुपये - 270 रुपये
पटना से नरकटियागंज : 290 रुपये - 340 रुपये
पटना से बगहा : 295 रुपये - 340 रुपये
पटना से पूर्णिया (भाया बेगूसराय) : 540 रुपये - 595 रुपये

जहानाबाद में हादसे का शिकार होने से बची पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस, ट्रेन के दो यात्री घायल

जहानाबाद। बिहार पटना-गया रेलखण्ड में शरारती लोगों की करतूत की वजह से पटना-रांची जन शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई। इस दौरान ट्रेन पर असामाजिक तत्वों के पथराव में ट्रेन सवार दो यात्री घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक दानापुर मंडल के तहत आने वाले नियाज़ीपुर हॉल्ट पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर लोगों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान असामाजिक तत्वों ने हॉल्ट के शेड के करकट और यात्रियों की बैठने वाली लोहे की कुर्सियां उखाड़कर रेलवे ट्रैक पर रख दी। संयोगवश उसी समय पटना-रांची जन शताब्दी एक्सप्रेस तेज रफ्तार में गुजर रही थी। ट्रेन की टक्कर होने से पटरी पर रखे करकट और कुर्सी के परखच्चे उड़ गए। ट्रेन के नहीं रूकने पर असामाजिक तत्वों ने पथराव किया। एसी

के अलावा साधारण डिब्बे पर भी पथराव किया गया। बताया गया है कि इस पथराव में ट्रेन में सवार दो यात्री चोट लगने से घायल हो गए। ट्रेन तेज रफ्तार में थी, इस वजह से जख्मी यात्री गया जंक्शन चले गए। असामाजिक तत्वों की इस हरकत से एक बड़ा ट्रेन हादसा टल गया। घटना की सूचना पाकर जहानाबाद से आरपीएफ के एसआई मनीष कुमार और रेल थानाध्यक्ष लल्लू सिंह सशस्त्र बलों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की तहकीकात की। आरपीएफ के एसआई मनीष कुमार ने बताया कि घटनास्थल पर कुर्सी और करकट के मलबे थे। फिलहाल पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को लाया गया है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की घटना को अंजाम देने में शामिल रहने वाले असामाजिक तत्वों को पकड़ने के लिए उसे चिन्हित किया जा रहा है। शीघ उनकी गिरफ्तारी होगी।

हॉल्ट पर पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव को लेकर उत्पात-रेल पुलिस के अनुसार पटना-गया रेलखंड में फिलहाल पांच जोड़ी स्पेशल पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन हो रहा है। कोरोना को लेकर पहले दो जोड़ी ही पैसेंजर ट्रेन चलाई जा रही थी। इधर और तीन जोड़ी पैसेंजर ट्रेनें चलाई जा रही है। लेकिन उसका ठहराव पटना- गया रेलखंड के सिर्फ प्रमुख स्टेशनों पर ही है। किसी भी हॉल्ट पर ट्रेन नहीं रुकती है। इसके अलावा एक्सप्रेस ट्रेनों का भी परिचालन हो रहा है। पुलिस के मुताबिक लोग पूर्व की तरह पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव सभी हॉल्ट पर भी करने की मांग को लेकर इस तरह की घटना को अंजाम दिया है।

देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर का खतरा

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी का दौर जारी है। इस बीच चिकित्सा विशेषज्ञों ने कहा है कि देश कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा है, इसलिए अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाए जाने की जरूरत है। करीब-करीब तीन महीने के बाद बीते 24 घंटों के दौरान कोरोना के सर्वाधिक 25,320 नए मामले आए हैं। नौ राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटे में जो 25320 नए मामले आए हैं, उनमें से करीब 77 फीसदी तीन राज्यों महाराष्ट्र, केरल तथा पंजाब से हैं। जबकि अन्य छह राज्यों में जहां कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं तथा रोजाना 400 या इससे अधिक मामले आ रहे हैं। उनमें कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, दिल्ली तथा हरियाणा शामिल है।

हर्ड इम्युनिटी खत्म होने लगी ?

वर्धमान महावीर मेडिकल कालेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर ने कहा कि ऐसे संकेत हैं कि देश में कोरोना की दूसरी लहर आरंभ हो चुकी है। इसकी वजह यह है कि सितंबर में कोरोना संक्रमण के पीक पर पहुंचने के बाद कई राज्यों में हर्ड इम्यूनिटी उत्पन्न हो गई थी। इसलिए वहां मामले घटने लगे थे। पांच-छह महीनों के बाद यह अब खत्म होने लगी

है और फिर से संक्रमण बढ़ने लगा है।

लापरवाही हुई

एम्स के पूर्व निदेशक प्रोफेसर एमसी मिश्रा ने कहा कि दूसरी लहर पैदा हो चुकी है तथा इसकी मुख्य वजह यह है कि जनवरी-फरवरी में नए संक्रमण न्यूनतम होने के कारण कोराना संबंधी प्रतिबंध करीब-करीब हटा दिए गए। इस बीच टीकाकरण शुरू होने से भी लोग लापरवाह हो गए और सोचने लगे कि अब कुछ नहीं होगा, टीका आ गया। लेकिन टीके से तब तक फायदा नहीं होगा जब तक यह 70-80 फीसदी लोगों को न लग जाए। खतरा साफ नजर आ रहा है। देश यूरोप की भांति दूसरी लहर का सामना कर रहा है। इसलिए सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए।

औसत साप्ताहिक मामले बढ़े

विशेषज्ञों के साथ-साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े भी कोरोना के दूसरी लहर आने की पुष्टि करते हैं। 11 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में औसत नए संक्रमण 10988 थे। जबकि करीब एक महीने के बाद यानी 10 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में यह औसत 18371 दर्ज किया गया। इसमें करीब 67 फीसदी का इजाफा एक महीने के भीतर हुआ है।

राज्य पहले सामना कर चुके

बता दें कि जिन राज्यों में कोरोना के मामले इस समय सर्वाधिक हैं, उनमें से ज्यादातर राज्य ऐसे हैं जो कोरोना की पहली या दूसरी लहर का सामना कर चुके हैं तथा अब तीसरी लहर की ओर अग्रसर हैं। लेकिन इस समय देश में आवाजाही को लेकर प्रतिबंध नहीं हैं इसलिए ये मामले दूसरे राज्यों में भी बढ़ सकते हैं।

सक्रिय मामले बढ़े

देश में रोजाना के नए कोरोना मामले ज्यादा आ रहे हैं तथा ठीक होने वाले घट रहे हैं। बीते चौबीस घंटों के दौरान भी 25320 नए संक्रमण हुए लेकिन स्वस्थ होने वाले सिर्फ 16637 थे। इस प्रकार 8522 सक्रिय मामले बढ़ गए। देश में सक्रिय कोरोना रोगियों की संख्या रविवार को 210544 दर्ज की गई। इतने सक्रिय मामले जनवरी मध्य में थे और तब ये लगातार घट रहे थे।

संपादकीय

मंगल की ध्वनियां

जब मंगल से ध्वनियां धरती पर पहुंचने लगी हैं, तब वैज्ञानिकों को शोध-चिंतन का एक ऐसा विषय मिल गया है, जो रहस्य और रोमांच से सराबोर है। मंगल से आ रही ध्वनियों की प्रारंभिक विवेचनाएं सामने आने लगी हैं। ऐसा लगता है, मंगल पर 18 फरवरी को उतरा नेशनल एरोनॉटिक्स स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) का रोवर निरंतर फोटो और ध्वनियां रिकॉर्ड कर धरती पर भेज रहा है। नासा ने मंगल से आ रही दो तरह की आवाजों को अभी तक जारी किया है। एक तो मंगल पर चलती हवा की आवाज है, दूसरी, लेजर प्रभाव की ध्वनि है। दुनिया में आम लोगों के लिए लेजर की ध्वनि का बहुत आकर्षण नहीं है। लेजर की जो ध्वनि आई है, उसमें इलेक्ट्रॉनिक की आवाज हावी है। यह ऐसी आवाज है, मानो किसी वीराने में फिल्म का प्रोजेक्टर चल रहा हो। मंगल पर लेजर शॉट्स की ध्वनि निरंतर स्नैप या फोटो खींचने से होने वाली ध्वनि की तरह लगती है। विवेचना जारी है और ऐसा लगता है कि महत्व लेजर ध्वनि का नहीं, बल्कि उसकी गूंज व असर का है। अंतरिक्ष एजेंसी नासा का यह छह पहियों वाला रोबोट डिवाइस अर्थात रोवर लगभग सात महीने की यात्रा पूरी करने के बाद अपना काम शानदार ढंग से करने लगा है। यह किसी चमत्कार से कम नहीं कि पृथ्वी से 47 करोड़ किलोमीटर दूर से आवाजें आने लगी हैं। नासा के साउंडक्लाउड पर पोस्ट की गई ऑडियो क्लिप में यह बताने की कोशिश हुई है कि मंगल पर मौसम कैसा है। मंगल से जो सामान्य आवाज आई है, वह ज्यादा ध्यान आकर्षित कर रही है। गहरे और बीच समुद्र में उठती ऊंची लहरों की सतत आवाज। समुद्र के तट पर आवाज उठती-बैठती रहती है, लेकिन मंगल से आ रही आवाज में ज्यादातर उठने का शोर है। यह हवा की आवाज है, जिसकी पड़ताल आने वाले दिनों में और स्पष्ट हो सकेगी। हालांकि, यह ध्वनि सुनने के बाद कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने लिखा है कि उन्हें डरावनी फिल्मों की याद आ रही है। वैसे मंगल अर्थात लाल ग्रह की आवाज और पृथ्वी की आवाज में जो प्राथमिक अंतर दर्ज किया गया है, उसके अनुसार, पृथ्वी की सामान्य आवाज मंगल पर फुसफुसाहट से प्रभावित हो जाती है। मंगल पर आवाज में फैलाव दिखता है। घंटी की ध्वनि भी वहां फैल जाती है और गूंजती सी लगती है। यह दिलचस्प है कि वैज्ञानिक पृथ्वी की अलग-अलग आवाजों का मंगलीकरण करने में जुटे हैं। नासा ने यह भी साझा किया कि मंगल ग्रह पर पक्षियों के चहकने, घंटियां या सीटी बजने जैसी आम आवाज पृथ्वी पर कैसी सुनाई देगी। आम तौर पर अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग तरह की ध्वनि उत्पन्न होती है, जैसे समुद्र के पास की बुनियादी आवाज और पहाड़ों के पास की आवाज में थोड़ा अंतर होता है। यह जानना विशेष रूप से जरूरी है कि किसी ध्वनि को किस जगह रिकॉर्ड किया जा रहा है। अतः रोवर से मिल रहे फोटो, वीडियो और ध्वनियों को एक साथ रखकर ही वैज्ञानिकों को ठोस विवेचना करनी पड़ेगी। यह भी ध्यान में रखना पड़ेगा कि नासा का यह कामयाब रोवर मंगल पर एक सीमित इलाके में ही घूमने में सक्षम है। हो सकता है, मंगल के दूसरे इलाकों में स्थितियां अलग हों और ध्वनियां भी। मतलब, इन प्राप्त ध्वनियों से इतर भी मंगल पर ध्वनियां संभव हैं। अभी तो यह शुरुआत भर है।

आज के ट्वीट

शुरुआत

भारतीय रेलवे ने 'व्यापार माला एक्सप्रेस' की शुरुआत की है। इसकी सहायता से #MSME व ट्रेडर्स कम समय देश के किसी भी हिस्से में अपने उत्पाद को पहुंचा सकते हैं।

-- विवेक बिन्द्रा

मिताली राज: भारत की 'लेडी सचिन'

– योगेश कुमार गोयल

वर्ष 2017 में बीबीसी की 100 प्रभावशाली महिलाओं में शामिल रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने पूरी दुनिया में भारतीय महिला क्रिकेट का कद ऊंचा कर दिया है। 12 मार्च को लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के दौरान तीसरे वनडे में 50 गेंदों पर अपनी 36 रनों की पारी में 35वां रन पूरा करते ही मिताली क्रिकेट के तीनों प्रारूपों को मिलाकर दस हजार अंतर्राष्ट्रीय रन बनाने वाली पहली महिला भारतीय और दुनिया की दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। 38 वर्षीया मिताली से पहले इंग्लैंड की पूर्व कप्तान चार्लोट एडवर्ड्स ही यह उपलब्धि हासिल कर सकी हैं। चूंकि चार्लोट क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले चुकी हैं, ऐसे में अपने अगले मैचों में मिताली का दुनियाभर में सर्वाधिक रन बनाने वाली महिला क्रिकेटर बनना तय है। मिताली के नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अब कुल 10001 रन दर्ज हैं और उनका औसत 46.73 है। महिला क्रिकेट में मिताली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बल्लेबाजी का लगभग हर रिकॉर्ड उनके नाम है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 22 वर्षों से भी ज्यादा समय से सक्रिय मिताली अबतक 212 वनडे, 89 टी-20 और 10 टेस्ट खेल चुकी हैं। वनडे में उन्होंने 6974, टी-20 में 2364 और टेस्ट में 663 रन बनाए हैं। वनडे मैचों में वह सात शतक और 54 अर्धशतक लगा चुकी हैं। फिलहाल 6974 रनों के साथ वनडे अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनके नाम दुनियाभर में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। उनके बाद दूसरे नंबर पर 5992 रनों के साथ इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स हैं। वनडे मैचों में सबसे ज्यादा बार 50 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी मिताली के ही नाम है। वह भारत की पहली ऐसी महिला कप्तान हैं, जिन्होंने दो वनडे विश्वकप के फाइनल में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया। वनडे मैचों में मिताली का औसत 50.53 का है जबकि टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनका औसत 37.52 और टेस्ट मैचों में 51 का है। मिताली ने अपने अंतर्राष्ट्रीय कैरियर की शुरुआत 25 जून 1999 को लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में वनडे क्रिकेट से की थी। अपने पहले ही वनडे मैच में मिताली ने 114 रनों की शानदार पारी खेलकर हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया था। भारत ने कुल 258 रन बनाकर वह मैच 161 रनों से जीता था जबकि आयरलैंड की टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर केवल 97 रन ही बना सकी थी। करीब दो साल पहले 1 फरवरी 2019 को वह 200 वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी थी। उससे कुछ ही समय पहले उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक मैच में 50 ओवरों के प्रारूप में अंतर्राष्ट्रीय मैचों का दोहरा शतक जमाने वाली पहली महिला बनने का कीर्तिमान भी स्थापित किया था। अबतक के कैरियर में मिताली ने 75 अर्धशतक और 8 शतक जड़े हैं, जिनमें से 54 अर्धशतक और सात शतक उन्होंने वनडे में लगाए। टेस्ट मैचों में उन्होंने एकमात्र शतक (214 रन) इंग्लैंड के खिलाफ 2002 में टॉटन में जड़ा था। भारतीय महिला टीम को आज दुनियाभर में वनडे में दूसरे नंबर की और टी-20 में तीसरे नंबर की टीम माना जाता है और इसमें फिटनेस, कौशल तथा क्रिकेट के प्रति समर्पण भाव के लिए मिसाल मानी जाने वाली मिताली के महत्वपूर्ण योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल जिस दौर में मिताली ने अपने कैरियर की शुरुआत की थी, तब भारतीय महिला टीम की गिनती हारने वाली टीमों में होती थी लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मैचों में मिताली का बल्ला ऐसा चला कि 2002 के बाद टीम इंडिया की स्थिति सुधरती गई और 2005 के वनडे विश्वकप फाइनल तक पहुंचने के बाद टीम इंडिया ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। टीम इंडिया को बेहतर स्थिति में ले जाने में अंजू जैन, अंजुम चोपड़ा, झूलन गोस्वामी, ममता माबेन इत्यादि खिलाड़ियों के योगदान को भी नहीं भुलाया जा सकता। मूल रूप से तमिल परिवार से संबंध रखने वाली हैदराबाद की मिताली का जन्म 3 दिसम्बर 1982 को जोधपुर में हुआ था। 10 साल की उम्र में उन्होंने क्रिकेट को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया तथा 17 साल की उम्र में वह भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा बन गई। 26 जून 1999 को आयरलैंड के साथ हुए मैच से वनडे में मिताली के कैरियर का शानदार आगाज हुआ, जब उन्होंने 114 रनों की नाबाद पारी खेली। तब से अभी तक उन्होंने कई कीर्तिमान भारत की झोली में डाले हैं। 14 जनवरी 2002 को इंग्लैंड के साथ खेले गए मैच से मिताली के टेस्ट कैरियर की शुरुआत हुई थी, जिसमें वह बिना खाता खोले पैवेलियन लौट गई थी। 2005 में दक्षिण अफ्रीका में हुए विश्वकप में मिताली की कप्तानी में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा लेकिन अगले ही साल 2006 में मिताली की ही कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को उसी की जमीन पर धूल चटाते हुए एशिया कप अपने नाम किया। मिताली का कहना है कि जब उन्होंने अपना कैरियर शुरू किया था तो सोचा नहीं था कि वो इतनी दूर तक पहुंच पाएंगी। हालांकि उनके 22 वर्षों के इंटरनेशल कैरियर में काफी उतार-चढ़ाव आए। कई विवाद भी हुए। जिनमें टी-20 की कप्तानी छोड़ना भी शामिल है लेकिन इसके बावजूद उनके बल्ले से रनों का पहाड़ निकलता रहा और उसी का नतीजा है कि वह आज सफलता के सातवें आसमान हैं। दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी और पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। उनकी कुछ उपलब्धियां तो ऐसी हैं कि कुछ रिकॉर्ड के मामले में तो वह विराट कोहली सहित दूसरे पुरुष खिलाड़ियों को भी पीछे छोड़ चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय टी-20 मैचों में रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी पीछे छोड़ चुकी हैं। टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाली वह पहली महिला खिलाड़ी हैं। आईसीसी वर्ल्ड रैंकिंग में वह 2010, 2011 तथा 2012 में प्रथम स्थान पर रही हैं। मिताली के शानदार खेल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें भारत की 'लेडी सचिन' भी कहा जाता है। बहरहाल, 38 वर्ष की आयु में भी टीम इंडिया की वनडे क्रिकेट की कप्तानी संभालते हुए महिला टीम को बुलंदियों तक ले जा रही मिताली से देश को आनेवाले समय में बहुत उम्मीदें हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

जीवन धरोहर

श्रीराम शर्मा आचार्य

कीचड़ में कमल उगना एक सुयोग है। आमतौर से उसमें गंदे कीड़े ही कुलबुलाते रहते हैं। जिन्होंने लोकप्रवाह में बहने के लिए आत्मसमर्पण कर दिया, समझना चाहिए उनके लिए नर-पशु स्तर का जीवनयापन ही भाग्य विधान जैसा बन गया। वे खाते, सोते, पाप बटोरते और रोते-कलपते मौत के मुंह में चले जाते हैं। स्रष्टा ने मनुष्य जीवन का बहुमूल्य जीवन धरोहर के रूप में दिया था, होना यह चाहिए था कि इस सुयोग का लाभ उठाकर अपनी अपूर्णता पूर्णता में बदली गई होती और विमानव की सेवा-साधना में संलग्न रहकर धन्य बना जाता, असंख्यों को सन्मार्ग में चलाकर सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन का अजस पुण्य कमाया गया होता। यह तो बन नहीं पड़ता, उल्टे पाप का पिटारा सिर पर लादकर लंबे भविष्य को अंधकारमय बनाया जाता है। सत्यपरायणों और न्यायनिष्ठों को समय-समय पर दूसरों की सहायता भी मिलती रही है, इतिहास इसका साक्षी है। यदि ऐसा न हुआ होता तो बहुसंख्यक कुकर्मियों ने इस संसार की समूची शालीनता का भक्षण कर लिया होता। सत्यनिष्ठ एकाकी होने के कारण सर्वत्र पराजित-पराभूत हो गए होते किन्तु ऐसा हुआ नहीं। प्रह्लाद पथ के अनुयायी कष्ट सहकर भी अपनी विजय ध्वजा फहराते हैं। ईसा मरकर भी मरे नहीं, सुकरात की काया नष्ट होने पर भी उसका यश, वर्चस्व और दर्शन अपेक्षाकृत और भी प्रखर हुआ। गोवर्धन पर्वत उठाए जाने का संकल्प आरम्भ में असंभव लगता रहा होगा, पर समय ने सदुद्देश्य का साथ दिया। अपराधी प्रवृत्ति एक प्रकार की छूत वाली बीमारी है, जो पहले परिवार के नवोदित सदस्यों पर आक्रमण करती है। कुकर्मी लोगों की संतानें भी अनैतिक कार्यों में ही रु चि लेती हैं। इसके अतिरिक्त ऐसा भी होता है कि जिनके साथ उनकी घनिष्ठता है, उन्हें भी उसी पतन के गर्त में गिरने का कुयोग बने। ऐसे लोग प्रयत्नपूर्वक अपना संपर्क क्षेत्र बढ़ाते हैं और उद्धत आचरणों के फलस्वरूप तत्काल बड़े लाभ मिलने के सब्जबाग दिखाते हैं। आरम्भ में हिचकने वालों की हिम्मत बढ़ाने के लिए कितने ही इस आधार पर बड़े-बड़े लाभ प्राप्त कर लेने के मनगढ़ंत वृतांत सुनाते हैं। जिन्हें सच मानने और उस प्रकार का आचरण करने में अपनी भी उपयोगिता देखकर सहज ही तैयार हो जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष – आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ – पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन – जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क – आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह – राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या – संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला – जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ – बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन – गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

भारत-उज्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास पर चीन की नजर

– डॉ. प्रभात ओझा

हमारे देश के सीमावर्ती राज्य उत्तराखंड के रानीखेत में एक छोटी-सी गतिविधि पड़ोसी चीन के लिए चिंता का सबब हो सकती है। इस जिले के चौबटिया क्षेत्र में इसे छोटी गतिविधि इसलिए कहा जाना चाहिए कि वहां भारत और उज्बेकिस्तान की सेनाएं नियमित सैन्य अभ्यास कर रही हैं। दोनों ओर से सिर्फ 45-45 सैनिकों की हिस्सेदारी से पहली नजर में अभ्यास को सामान्य ही कहा जा सकता है। इसके विपरीत इसपर चीन की नजर इस ऐतिहासिक तथ्य के कारण हो सकती है कि अभ्यास में भारत की ओर से वह कुमांऊ रेजीमेंट हिस्सा ले रही है, जिसने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद 1962 की लड़ाई में चीन के सैनिकों को दिन में तारे दिखा दिए थे। पिछली 10 तारीख को शुरू और 19 मार्च तक चलने वाला अभ्यास आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई के गुर सीखने के लिए है। हाल के दिनों में म्यांमार के अंदर राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न होने के बाद से इस अभ्यास का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। म्यांमार ऐसा देश है, जो भारत और चीन के बीच स्थित है और एक समझौते के तहत हमारी सेनाएं आतंकियों के खिलाफ एक खास दूरी तक जाकर म्यांमार में भी कार्रवाई कर सकती हैं। गत एक फरवरी को वहां तख्ता पलट के बाद हिंसा में म्यांमार में लोगों का आरोप है कि सेना, चीन के अधिकारियों के इशारे पर चल रही है। बहरहाल, म्यांमार में भारत के मुकाबले अपना हित बढ़ाने की चिंता करने वाले चीन के लिए भारत और उज्बेकिस्तान का संयुक्त सैन्य अभ्यास खटकने वाला मसला है। सैन्य अभ्यास का नाम दुस्तलिक अथवा डस्टलिक रखा गया है। उज्बेकी भाषा में इसका अर्थ 'दोस्ती' है। यह दोस्ती भला चीन को क्यों सुहाएगी। भारत मध्य एशिया में चीन के बढ़ते असर को रोकना चाहता है और इस काम में उज्बेकिस्तान से दोस्ती बहुत काम की है। खासकर पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ हाल के तनाव के ठीक बाद दोनों देशों के सैन्य अभ्यास पर चीन नजर लगाए बैठा है। सैन्य अभ्यास के दौरान दोनों देशों की सेनाओं का अमेरिका से हाल ही में मिली सिग सोर राइफल का इस्तेमाल भी खास है। यह चीन के मुकाबले मध्य एशिया में अमेरिकी सहयोग का प्रतीक है। निश्चित ही इस अभ्यास से भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। उज्बेकिस्तान एशिया के केंद्र भाग में स्थित है। सोवियत संघ के विघटन के बाद अस्तित्व में आए इस देश से भारत के सम्बंध पहले से मजबूत हुए हैं। मध्य एशिया के अन्य देशों की तरह पुराने सोवियत संघ के इस हिस्से से भारत के सांस्कृतिक सम्बंध अत्यंत प्राचीन होने के प्रमाण मिलते ही हैं। अब वाणिज्यिक और रणनीतिक समझौते भी किए गए हैं। अभी 2019 में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उज्बेकिस्तान की यात्रा की थी, तो वहां के आंतरिक मामलों के मंत्री पुलत बोबोनोव ने भी भारत का दौरा किया था। राजनाथ सिंह की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने सैन्य अभ्यास की शुरुआत की तो सैन्य चिकित्सा और सैन्य शिक्षा में सहयोग बढ़ाने के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए। भारत ने उज्बेकिस्तान को संसाधनों की खरीद के लिए 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर वाले रियायती ऋण देने की घोषणा की थी। इसी तरह उज्बेकी मंत्री की नयी दिल्ली यात्रा के दौरान आतंकवाद-रोधी, संगठित अपराध और मानव तस्करी के विरुद्ध सहयोग बढ़ाने पर समझौते हुए। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने तब सीमा सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर भी विचार किया था। उसी समय भारत ने अपने संस्थानों में उज्बेक सुरक्षाकर्मियों के प्रशिक्षण पर भी हामी भरी। तब से दोनों देशों के बीच सैन्य और रणनीतिक रिश्ते आगे ही बढ़े हैं। फिर उज्बेकिस्तान ने अपने प्राकृतिक संसाधन, विशेष रूप से तेल, प्राकृतिक गैस, यूरेनियम आदि के मामलों में भारत के लिए अपने द्वार खोलने के सकारात्मक संदेश दिए थे। ऐसे में भारत से दुश्मनी की हद तक जाने को आतुर चीन के दिल में भारत-उज्बेकिस्तान का मजबूत होता रिश्ता किसी भी तरह से अनुकूल नहीं होगा। यही कारण है कि दोनों देशों के मात्र 45-45 सैनिकों के संयुक्त अभ्यास को भी चीन में बड़ा मसला माना जा रहा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार की पाक्षिक पत्रिका 'यथावत' के समन्वय सम्पादक हैं।)

आईपीओ आवेदनों के लिए पेटीएम यूपीआई हैंडल को सेबी की मंजूरी

नयी दिल्ली, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आवेदनों के लिए तेजी से निर्बाध भुगतान को पेटीएम यूपीआई हैंडल को मंजूरी दे दी है। डिजिटल भुगतान कंपनी पेटीएम पेमेंट्स बैंक (पीपीबीएल) ने सोमवार को यह जानकारी दी। पेटीएम पेमेंट्स बैंक ने आईपीओ आवेदनों के भुगतान के लिए पेटीएम मनी के साथ भी करार किया है। पेटीएम मनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2021-22 तक एक करोड़ भारतीयों को शेयर बाजारों में लाने का है। पीपीबीएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सतीश गुप्ता ने कहा, ''आईपीओ के लिए पेटीएम यूपीआई को अनुमति से हम लाखों निवेशकों को निर्बाध, सुरक्षित और तेजी से भुगतान का विकल्प उपलब्ध करा पाएंगे। इससे निवेशक अपने वित्तीय पोर्टफोलियो का विस्तार कर सकेंगे।'' गुप्ता ने कहा कि हमारा मानना है कि प्रत्येक भारतीय को पूंजी बाजार में पहुंच और शेयर बाजारों में सूचीबद्ध सफल कंपनियों से लाभ लेने का अधिकार हे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने रेपो से संबद्ध ब्याज दर 0.10 प्रतिशत घटायी

मुंबई, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने रेपो दर से संबद्ध ब्याज दर में सोमवार से 0.10 प्रतिशत की कटौती की है। इस कटौती के बाद ब्याज दर 6.85 प्रतिशत से घटकर 6.75 प्रतिशत पर आ गयी है। बैंक ने एक बयान में कहा कि इस संशोधन के बाद आवास ऋण पर ब्याज दर 6.75 प्रतिशत और कार ऋण पर 7 प्रतिशत हो गयी है। वहीं शिक्षा कर्ज पर ब्याज 6.75 प्रतिशत होगा। बीओबी के महाप्रबंधक हर्षद कुमार सोलंकी ने कहा, ''रेपो दर से संबद्ध ब्याज में कटौती से हमारा कर्ज ग्राहकों के लिये और सस्ता हो गया है। हमें उम्मीद है कि डिजिटल प्रक्रिया को लेकर हम जो प्रयास कर रहे हैं, उससे ग्रहक काफी प्रतिस्पर्धी दर पर तेजी और सुगमता से कर्ज ले सकेंगे।''

थोक महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 4.17 फीसदी हुई

नई दिल्ली। देश में थोक महंगाई दर बीते महीने फरवरी में बढ़कर 4.17 फीसदी हो गई है। थोक महंगाई दर में इस साल जनवरी के मुकाबले दोगुनी वृद्धि हुई है। खाने-पीने की चीजों के साथ-साथ विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादों के दाम में इजाफा होने से थोक महंगाई दर में बढ़ोतरी दर्ज की गई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल फरवरी में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर 4.17 फीसदी रही जबकि पिछले साल फरवरी में थोक महंगाई दर 2.26 फीसदी दर्ज की गई थी। वहीं, इस साल के आरंभ में जनवरी के दौरान थोक महंगाई दर 2.03 फीसदी दर्ज की गई। देश में थोक महंगाई दर इस साल फरवरी में बढ़कर बीते 27 महीने की ऊंचाई पर चली गई है। कई माह तक लगातार नरम पड़ते जाने के बाद फरवरी माह में खाने-पीने की चीजों के दाम 1.36 प्रतिशत बढ़ गए। इससे पहले जनवरी में इनमें 2.80 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सब्जियों के दाम फरवरी में 2.90 प्रतिशत घट गए, वहीं जनवरी में इनके दाम 20.82 प्रतिशत नीचे हो गए थे। दालों की अगर बात की जाए तो फरवरी में दालों के दाम 10.25 प्रतिशत बढ़ गए। वहीं फलों के दाम 9.48 प्रतिशत और बिजली समूह की महंगाई 0.58 प्रतिशत रही। पिछले महीने की तुलना में, अनंतिम खाद्य मूल्य और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट, जो क्रमशः डब्ल्यूपीआई सूचकांक में अधिकतम वेटेज रखते हैं, क्रमशः 3.31 प्रतिशत और 5.81 प्रतिशत बढ़े। सभी खाद्य वस्तुओं में, फरवरी 2020 की तुलना में फरवरी 2021 में प्याज, दालें, फल और दूध की कीमतें क्रमशः 31.28प्रतिशत, 10.25प्रतिशत, 9.48प्रतिशत और 3.21प्रतिशत बढ़ीं। रिजर्व बैंक ने पिछले महीने मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा। यह लगातार चौथी समीक्षा थी जिसमें दर में कोई बदलाव नहीं किया गया। वहीं खुदरा महंगाई दर की अगर बात की जाए तो फरवरी में यह 5.03प्रतिशत पर रही।

लोकसभा में बोलीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोल-डीजल और गैस को जीएसटी में लाने का प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली :

देश में पेट्रोलियम ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन और प्राकृतिक गैस को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। देश में एक जुलाई, 2017 को जब जीएसटी लागू की गई तो पेट्रोलियम उत्पादों को इसके दायरे से बाहर रखा गया। केंद्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व का एक बड़ा हिस्सा इन उत्पादों पर लागू करों पर निर्भर करता है। सीतारमण ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''फिलहाल, कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन और प्राकृतिक गैस को जीएसटी के दायरे में लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि कानून के तहत जीएसटी परिषद ही अनुशंसा कर सकती है कि पेट्रोलियम उत्पादों पर किस तिथि से जीएसटी लगेगा। वित्त मंत्री ने बताया, ''अब तक जीएसटी परिषद ने इन उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने का कोई अनुशंसा नहीं की है। सीतारमण के अनुसार, जीएसटी परिषद जब संबंधित कारकों को देखते हुए जब उचित समझेगी तो इन पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। उधर, लोकसभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पेट्रोल, डीजल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों पर कुछ कर राज्य लगाते हैं और कुछ केंद्र लगाते हैं। ऐसे में राज्य सरकार भी इन पर कर कम करें और हम (केंद्र) भी ऐसा करें, दोनों इस बारे में विचार करें।

ठाकुर ने कहा, '' जहां तक पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने का सवाल है, इस विषय को जीएसटी की शुरूआत के समय खुला रखा गया था। इसमें कहा गया था कि जीएसटी परिषद में राज्य और केंद्र मिलकर तय कर सकते हैं कि इसे कब इसके दायरे में लाना है।

नाटको फार्मा एकीकृत कीट प्रबंधन के लिए फेरोमोन आधारित प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उतरी

नयी दिल्ली,

औषधि कंपनी नाटको फार्मा ने सोमवार को भारत में किसानों के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन की सुविधा प्रदान करने के लिए फेरोमोन-आधारित प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उतरने की घोषणा की। कंपनी ने बीएसई को भेजी सूचना में बताया कि वह अपने फसल स्वास्थ्य विज्ञान (सीएचएस) प्रभाग के माध्यम से फेरोमोन आधारित प्रजनन विघटन प्रौद्योगिकी के लिए एटीजीसी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड (एटीजीसी) के साथ काम कर रही है। इसने कहा, ''खरीफ 2021 के दौरान, नाटको ने कपास की फसल में पिंक बोलवर्म (पीबीडब्ल्यू) के प्रभावी प्रबंधन के लिए अपना पहला ग्रीन लेबल फेरोमोन उत्पाद पेश करने की की योजना बनाई है। नाटको फार्मा ने कहा कि इस पेशकश के साथ यह कपास किसानों के पास पीबीडब्ल्यू का प्रबंधन करने के लिए एक नया और शक्तिशाली हथियार होगा। पिंक बोलवॉर्म ने पिछले कुछ वर्षों में भारत के कपास किसानों को एक बड़ी चुनौती दी हुई है। पीबीडब्ल्यू के कारण कपास की गुणवत्ता और पैदावार की महत्वपूर्ण क्षति हुई है और अक्सर इसने छोटे किसानों की आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

रुपये 33 पैसे की तेजी के साथ 72.46 रुपया प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई,

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद रुपया सोमवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 33 पैसे मजबूत होकर 72.46 (अनंतिम) पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 72.71 पर मजबूत खुला। कारोबार के दौरान यह 72.40-72.75 के बीच घट बढ़ के बाद अंत में अपने पिछले बंद के मुकाबले 33 पैसे मजबूत होकर 72.46 प्रति डालर पर बंद हुआ। शुक्रवार को डालर 72.79 रुपये पर बंद हुआ था। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डालर की मजबूती को दर्शाने वाला डालर सूचकांक भी 0.12 प्रतिशत मजबूत होकर 91.78 अंक हो गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 397 अंक की गिरावट के साथ 50,395.08 अंक पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल चल रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को 942.60 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। वैश्विक मानक माने जाने वाले क्रेंट क्रूड की कीमत 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69.21 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

आयकर विभाग, 5 भारतीय बैंक साइबर अपराधियों के निशाने पर : रिपोर्ट

नई दिल्ली। साइबर अपराधी महत्वपूर्ण व्यक्तिगत जानकारियों का खुलासा करने के लिए भारतीय यूजर्स को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को एक नई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई कि संदिग्ध संदेशों से यूजर्स को आयकर रिफंड के संवितरण के लिए एक आवेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। इसे एक ऐसे लिंक के साथ अंजाम दिया जा रहा है, जो प्रत्यक्ष यूजर्स को आयकर ई-फाइलिंग वेब पेज की तरह दिखता है। टारगेट किए गए बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) शामिल हैं। नई दिल्ली स्थित थिंक टैंक साइबरपीस फाउंडेशन द्वारा साइबर सिक्योरिटी कंपनी ऑटोबोट इंफोसेक के साथ मिलकर की गई एक जांच में इसका खुलासा किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि संदिग्ध लिंक अमेरिका और फ्रांस से संबंधित हैं। यह भी कहा गया है कि यह अभियान यूजर्स से व्यक्तिगत और साथ ही बैंकिंग जानकारी एकत्र कर रहा है और इस प्रकार के जाल में फंसने से यूजर्स को बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान हो सकता है। एसएमएस के साथ साझा लिंक का कोई डोमेन नाम नहीं है और यह भारत सरकार के साथ लिंक नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभियान से जुड़े सभी आईपी एड्रेस कुछ तृतीय पक्ष (थर्ड पार्टी) समर्पित क्लाउड होस्टिंग प्रदाताओं के हैं। पूरा अभियान सुरक्षित एचटीटीपी के बजाय सामान्य या प्लैन एचटीटीपी प्रोटोकॉल का उपयोग करता है। इसका मतलब है कि नेटवर्क या इंटरनेट पर कोई भी व्यक्ति ट्रैफिक को बाधित कर सकता है और पीड़ित के खिलाफ दुरुपयोग करने के लिए सामान्य टेक्स्ट में गोपनीय जानकारी प्राप्त कर सकता है। यह यूजर्स को गूगल प्लेस्टोर के बजाय किसी थर्ड पार्टी स्रोत से एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए कहता है। एप्लिकेशन प्रशासक के अधिकार और डिवाइस के अनावश्यक उपयोग की अनुमति प्रदान करने के लिए कहता है। जब लिंक खोला जाता है तो आईटीआर यूजर्स को एक लैंडिंग पेज पर पुनर्निर्देशित (रिडारेक्ट) किया जाता है, जो ज्यादातर सरकारी आयकर ई-फाइलिंग वेबसाइट के समान ही दिखते हैं। इसमें यूजर्स को कहा जाता है कि हरे रंग पर क्लिक करें और सत्यापन चरणों में आगे बढ़ें। यूजर्स को उनका पूरा नाम, पैन नंबर, आधार संख्या, पता, पिनकोड, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर, ईमेल पता, लिंग, वैवाहिक स्थिति और बैंकिंग जैसी व्यक्तिगत जानकारी जमा करने के लिए कहा जाता है। इसके अलावा उनसे खाता संख्या, आईएफएससी कोड, कार्ड नंबर, समाप्ति तिथि, सीवी और कार्ड पिन जैसी जानकारी भी भरने को कहा जाता है। इसके अलावा, फॉर्म में दर्ज आईएफएससी कोड से बैंक का नाम अपने आप पता चल जाता है। डेटा जमा करने के बाद, यूजर्स को एक पेज पर पुनर्निर्देशित किया जाता है, जहां उन्हें दर्ज किए गए डेटा की पुष्टि करने के लिए कहा जाता है। हरे रंग की पुष्टि वाले बटन पर क्लिक करने से यूजर एक फर्जी बैंकिंग लॉगिन पेज पर पहुंच जाता है, जो लगभग आधिकारिक पेज जैसा ही लगता है। यह ऑनलाइन बैंकिंग के लिए यूजर नेम और पासवर्ड मांगता है। इन विवरणों को दर्ज करने के बाद अगले चरण के लिए यूजर्स को एक संकेत प्रश्न, उत्तर, प्रोफाइल पासवर्ड और सीआईएफ नंबर दर्ज करने के लिए कहा जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभियान में उपयोग किए गए वेब पेज की समग्र रूपरेखा और कार्यशीलता आम ई-फाइलिंग साइट के समान है।

बाजार में दूसरे दिन गिरावट, सेंसक्स 397 अंक टूटा

मुंबई,

शेयर बाजारों में सोमवार को उतार चढ़ाव भरे कारोबार में लगातर दूसरे दिन गिरावट रही। औद्योगिक उत्पादन और मुद्रास्फीति के निराशजनक आंकड़ों तथा कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच निवेशक बाजार से दूर नजर आये। कारोबारियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में उछाल से भी शेयर बाजार में निवेशकों को उत्साह नहीं मिला। बीएसई के तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में कारोबार के दौरान 1,035.71 अंक का उतार-चढ़ाव आया। अंत में यह 397 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,395.08 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 101.45 अंक यानी 0.67 प्रतिशत टूटकर 14,929.50 अंक पर बंद हुआ। मुख्य रूप से बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही जबकि आईटी कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान बजाज फिनसर्व में हुआ। यह शेयर 2.68 प्रतिशत गिरावट में रहा। बजाज ऑटो, बजाज फाइनेंस, एल एंड टी, एशियन पेंट्स, डा. रेड्डीज, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज भी हानि में रहे। लाभ में रहे प्रमुख शेयरों में टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक और एनटीपीसी शामिल हैं। इनमें 2.22 प्रतिशत तक की तेजी आयी। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति मामलों के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि देश भर में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता के बीच घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा बांड पर प्रतिफल बढ़ने से भी निवेशक थोड़े सतर्क हैं। उन्होंने कहा, ''साथ ही जनवरी 2021 में आईआईपी में गिरावट और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में तीव्र वृद्धि से भी धारणा पर असर पड़ा है।'' शुक्रवार को बाजार में कारोबार समाप्त होने के बाद जारी सरकारी आंकड़े के अनुसार औद्योगिक उत्पादन में जनवरी में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आयी जबकि दिसंबर 2020 में इसमें वृद्धि दर्ज की गयी थी। वहीं खाद्य वस्तुओं के महंगा होने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में तीन महीने के उच्च स्तर 5.03 प्रतिशत पर पहुंच गयी। पुनः थोक मुद्रास्फीति फरवरी में लगातार दूसरे महीने बढ़कर 4.17 प्रतिशत पर पहुंच गयी। खाद्य पदार्थ, ईंधन और बिजली के दाम बढ़ने से थोक कीमतों पर आधारित महंगाई दर बढ़ी है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और सोल नुकसान में रहे। जबकि हांगकांग और तोक्यो में तेजी रही। भारतीय समयानुसार दोपहर बाद खुले

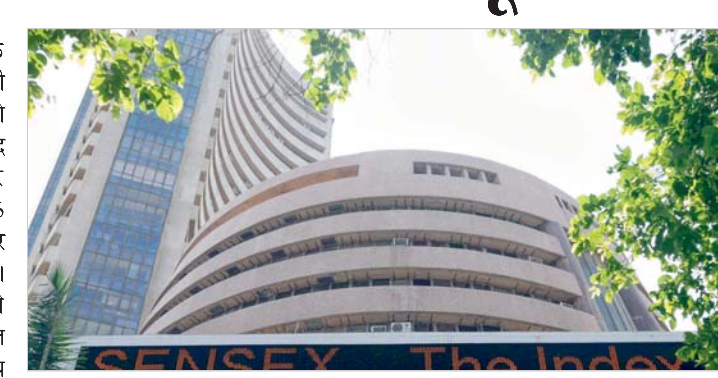

यूरोप के प्रमुख बाजार लाभ में चल रहे थे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69.21 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 33 पैसे उछलकर 72.46 पर पहुंच गयी। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार देश में एक दिन में कोविड-19 के 26,291 नए मामले सामने आने के बाद सोमवार को देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,13,85,339 हो गई। आंकड़ों के अनुसार, देश में 85 दिन बाद एक दिन में सर्वाधिक नए मामले सामने आए। इससे पहले 20 दिसंबर को 24 घंटे में 26,624 नए मामले सामने आए थे। नये मामलों में महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात और तमिलनाडु की हिस्सेदारी 78.41 प्रतिशत है।

टेक महिन्द्रा ने पेरिगॉर्ड में हासिल की 70 फीसदी हिस्सेदारी

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सर्विसेज प्रोवाइडर टेक महिंद्रा ने सोमवार को घोषणा की कि वह पेरिगॉर्ड में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर चुका है। पेरिगॉर्ड विश्व स्तर पर दवा उद्योग के लिए एक अग्रणी आर्टवर्क सल्यूशंस एवं कंसल्टेंसी सप्लायर है। हालांकि इस हिससेदारी की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस अधिग्रहण से टेक महिंद्रा को वैश्विक फार्मास्युटिकल, हेल्थकेयर और लाइफ साइंस (एचएलएस) क्षेत्रों में विशेषज्ञता बढ़ाने में मदद मिलेगी। टेक महिंद्रा के बीएफएसआई, एचएलएस और कॉरपोरेट डेवलपमेंट के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने कहा कि लाइफ साइंसेज इंडस्ट्री और आर्टवर्क के क्षेत्र में पेरिगार्ड की विशेषज्ञता एक बाधित मालिकाना मंच के फलस्वरूप हमारी क्षमताओं में महत्वपूर्ण वृद्धि करेगा। यह अधिग्रहण टेक महिंद्रा की आयरलैंड, जर्मनी, अमेरिका और भारत के प्रमुख बाजारों में बेहतर वैश्विक वितरण के साथ उपस्थिति बनाने की दीर्घकालिक योजना का एक हिस्सा है। अग्रवाल ने कहा, ÷हेल्थकेयर और लाइफसाइंसेज (एचएलएस) टेक महिंद्रा के लिए एक प्रमुख कार्यक्षेत्र है और इस अधिग्रहण से इन डोमेन में विश्व स्तर पर हमारे पदचिह्न का विस्तार होगा।÷ पेरिगॉर्ड असेट होल्डिंग्स लिमिटेड के सीईओ एलन मिली ने कहा कि दोनों कंपनियों की भविष्य की महत्वाकांक्षाएं और दवा पैकेजिंग सेवाओं की दुनिया को डिजिटल रूप से बदलने की इच्छाएं हमारे ग्राहकों को दीर्घकालिक नवीन समाधान प्रदान करेंगी जो उनकी जरूरतों को अगले 10 वर्षों तक पूरा करेगी।

कोरोना काल में परोपकार पर व्यवसायी घरानों का खर्च तीन गुना हो 12,000 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली,

देश में कोरोना काल के दौरान व्यवसायी घरानों की निजी स्तर पर किए गए परोपकारी कार्यों में काफी तेजी आई है। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान व्यावसायिक घरानों का परोपकार इस तरह का व्यय 12,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह 2019 के बाद समूचे निजी क्षेत्र के ऐसे खर्च में हुई वृद्धि का करीब दो तिहाई रहा है। भारत परोपकार रिपोर्ट 2021 के मुताबिक व्यवसायी घरानों द्वारा परोपकारी गतिविधियों के लिये दिया गया धन 2020 में तीन गुणा बढ़कर 12,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह रिपोर्ट बेन एण्ड कंपनी एण्ड डासरा के सहयोग से तैयार किया गई है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2020 में पूरे निजी क्षेत्र से परोपकार के लिए दिया गया धन 64,000 करोड़ रुपये रहा जिसमें से 20 प्रतिशत व्यावसायिक घरानों की और निजी स्तर पर खर्च किया गया। इस सकल परोपकारी धन में विदेश से प्राप्त धन, कंपनियों, खुदरा और धनी व्यक्तियों और परिवारों द्वारा दिया गया धन शामिल है। इसमें अकेले इन घरानों की ओर से दिया गया धन ही 12,000 करोड़ रुपये के करीब रहा है। दूसरों के कल्याण और सहायता के लिये दिये जाने वाले इस धन में विदेशी योगदान समग्र वित्त पोषण का एक चौथाई रहा है, वहीं घरेलू कंपनियों का अनुदान जिसे कंपनी की सामाजिक जवाबदेही (सीएसआर) के तौर पर जाना जाता है, 28 प्रतिशत रहा। वहीं खुदरा निवेशकों ने इसमें 28 प्रतिशत योगदान किया है। इसके मुताबिक बड़े घरानों के स्तर पर किया गया परोपकार महामारी के दौरान काफी मजबूत साबित हुआ है और इसमें और वृद्धि की संभावना बनी हुई है। इसमें कहा गया है कि भारत की यह संस्कृति रही है --जरूरतमंद की मदद की जानी चाहिये। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यावसायिक घराने यदि अपने पूरे सामर्थ्य के साथ परोपकार करें तो इस काम के लिए इतनी राशि उपलब्ध हो सकती है जो कि भारत में परोपकार के लिए समग्र धन को दोगुना कर सकती है और यह भारत के विकास एजेंडा को एक नई दिशा दे सकता है।

एस्ट्राजेनेका ने अपने कोविड-19 के टीके को लेकर भरोसा दिलाया, कहा-वैक्सीन सुरक्षित

नयी दिल्ली,

औषधि क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अपने कोविड-19 टीके को सुरक्षित करार दिया है। हालांकि, इस टीके को लगवाने वाले लोगों में 'ब्लड क्लॉट' की समस्या के बाद कई देशों ने इसे फिलहाल रोक दिया है। डेनमार्क, नॉर्वे और आइसलैंड जैसे देशों से अस्थायी तौर पर कंपनी का टीका लगाने पर रोक लगा दी है। एस्ट्राजेनेका/ऑक्सफोर्ड का कोविड-19 टीके का उत्पादन सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने किया है और यह भारत में चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान का हिस्सा है। इस अभियान के तहत भारत में कोविशील्ड (एस्ट्राजेनेका/ऑक्सफोर्ड) और कोवैक्सिन (भारत बायोटेक) टीका लगाया जा रहा है। एस्ट्राजेनेका ने सोमवार को बयान में कहा कि वह एक बार फिर से अपने कोविड-19 के टीके के सुरक्षित होने के बारे में भरोसा दिलाती है। यह टीका स्पष्ट वैज्ञानिक प्रमाण पर आधारित है। सुरक्षा हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और कंपनी अपने टीके की सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी कर रही है। कंपनी ने कहा कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन में उसका कोविड-19 का टीका 1.7 करोड़ से अधिक लोगों ने लगवाया है लेकिन किसी भी मामले में ब्लड क्लॉट की वजह से फेफड़ों में रुकावट या प्लेटलेट्स की कमी का मामला सामने नहीं आया है। एस्ट्राजेनेका ने कहा कि आठ मार्च तक यूरोपीय संघ और ब्रिटेन में यह टीका लगवाने वाले लोगों में से 15 में प्लेटलेट्स की कमी और 22 में ब्लड क्लॉट का मामला सामने आया है। कंपनी ने कहा कि आबादी के आकार को देखते हुए यह संख्या काफी कम है। अन्य लाइसेंस वाली कोविड-19 की वैक्सीन में भी इस तरह के मामले आए हैं।

दाम घटने से विदेशों में बढ़ी भारतीय प्याज की मांग, निर्यात में इजाफा

नई दिल्ली, प्याज की महंगाई से पिछले महीने तक देश के उपभोक्ता परेशान थे, लेकिन अब रबी सीजन की फसल की आवक बढ़ने पर दाम में भारी गिरावट आई है। दाम घटने से विदेशों में भारतीय प्याज की मांग बढ़ गई है। पिछले साल के आखिर तक भारत घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए प्याज का आयात कर रहा था, लेकिन इस साल की शुरुआत से ही निर्यात करने लगा है। कारोबारी बताते हैं कि विदेशों से मांग बढ़ने से इस महीने देश से प्याज का निर्यात तकरीबन दो लाख टन पहुंच सकता है। देश की राजधानी दिल्ली स्थित आजादपुर मंडी में सोमवार को प्याज का थोक भाव सोमवार को 7.50 रुपये से 22.50 रुपये प्रति किलो था, जबकि मॉडल रेट 15.75 रुपये प्रति किलो। प्याज के सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र की थोक मंडियों में भी प्याज का भाव करीब 13 रुपये से 14 रुपये प्रति किलो चल रहा है। यह जानकारी बाजार सूत्रों ने दी। आजादपुर मंडी पोटैटो ऑनियन मर्चेंट एसोसिएशन के महासचिव राजेंद्र शर्मा ने बताया कि, ÷बीते एक महीने में प्याज का भाव घटकर आधा रह गया है। दाम घटने से देश से प्याज के निर्यात ने जोर पकड़ा है। हॉर्टिकल्चर प्रोड्यूस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजित शाह ने आईएएनएस को बताया कि, प्याज की निर्यात मांग जबरदस्त है और इस महीने दो लाख टन प्याज का निर्यात हो सकता है और अगले महीने से उससे भी ज्यादा निर्यात हो सकता है। ऐसे में प्याज निर्यात पिछले साल सीजन के दौरान के औसतन हर महीने के आंकड़े के ऊपर जा सकता है। पिछले साल देश में प्याज की महंगाई को काबू करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 14 सितंबर 2000 को आयात पर प्रतिबंध लगाए जाने से पहले भारत औसतन हर महीने 2.18 लाख टन प्याज का निर्यात कर रहा था। यह जानकारी केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने हाल ही में संसद में एक सवाल के लिखित जवाब में दी। केंद्रीय मंत्री की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटने के बाद इस साल जनवरी में भारत ने 56,000 टन और फरवरी में 31,000 टन प्याज का निर्यात किया, जबकि पिछले साल दिसंबर के आखिर तक भारत ने 65, 546 टन प्याज का आयात किया था। भारत पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका समेत कई अन्य देशों को प्याज निर्यात करता है। अजित शाह ने बताया कि इस समय प्याज निर्यात का मूल्य 275 डॉलर प्रति टन (एफओबी) है और इस भाव पर निर्यात मांग जोरदार बनी हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली विश्व कप के लिए और विदेशी निशानेबाज पहुंचे भारत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 18 मार्च से होने वाले विश्व कप में भाग लेने के लिए कुछ और निशानेबाज यहां पहुंचे हैं। हंगरी के निशानेबाज पीटर सिदी और रोमानिया टीम के पांच सदस्य विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए यहां पहुंच गए हैं। टीम के यहां पहुंचने पर एक अधिकारी ने कहा, ÷विदेशी निशानेबाजों को रेंज में ट्रेनिंग करने की इजाजत दी गई है। भारत की ओर से पिस्टल शूटर सौरभ चौधरी, मनु भाकर और अभिषेक वर्मा सहित भारतीय टीम के 57 सदस्यों ने प्री विश्व कप कैंप में हिस्सा लिया। यह कैंप पांच मार्च से शुरु हुआ था। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को इस टूर्नामेंट में 43 देशों के 300 निशानेबाजों के शामिल होने की उम्मीद है।

तीसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी टीम इंडिया

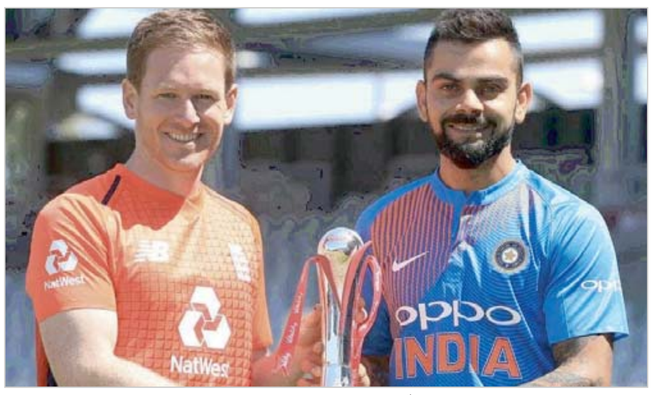

अहमदाबाद।

टीम इंडिया अब मंगलवार को यहां मेहमान टीम इंग्लैंड के साथ होने वाले तीसरे टी20 मैच में जीत का सिलसिला बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। दूसरे टी20 में मिली शानदार जीत के बाद टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह अब लय में भी आ गयी है। पांच मैचों की यह सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है। ऐसे में दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेंगी। पहले टी20 में जहां मेहमान टीम ने जीत हासिल की थी, वहीं दूसरे टी20 में भारतीय टीम ने दममदार वापसी कर दिखा दिया कि वह हर हाल में जीतना जानती है। वहीं दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हर क्षेत्र में मेहमान टीम को शिकस्त दी। अपने पहले ही मैच में ईशान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के साथ ही 32 गेंद में 56 रन अपने आक्रामक तेवर दिखा दिये। लोकेश राहुल के पहले ही ओवर में आउट होने के बाद भी इस युवा बल्लेबाज ने बिना किसी दबाव के जिस प्रकार बल्लेबाजी की उससे पता चलता है कि भारतीय टीम निडर होकर खेलना चाहती है। ईशान के अलावा कप्तान विराट कोहली ने भी फार्म हासिल कर लिया है जो भारतीय टीम के लिए एक सकारात्मक संकेत है। ईशान ने पहले ही मैच में जिस प्रकार इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर जैसे बल्लेबाज पर चौका लगाया है उससे भी उनके इरादे जाहिर हो गये हैं। वहीं भारतीय गेंदबाजों ने भी दूसरे मैच में शानदार गेंदबाजी कर इंग्लैंड टीम को 164 रन पर रोक दिया था। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने लंबे समय बाद गेंदबाजी की उससे भी भारतीय टीम को गेंदबाजी में एक विकल्प मिला है। भारत को युवा ऋषभ पंत से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है जिन्हें बल्लेबाजी क्रम में श्रेयस अय्यर से ऊपर चौथे नंबर पर भेजा गया है। । माना जा रहा है कि भारतीय टीम अपनी अंतिम एकादश में बदलाव नहीं करना चाहेगी हालांकि नियमित सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की दो मैचों में आराम के बाद वापसी संभव है। ऐसे में राहुल को बाहर बैठना पड़ेगा।

वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम के तेज गेंदबाज मार्क वुड के नहीं होने से दूसरे मैच में इंग्लैंड का आक्रमण प्रभावी नहीं रहा है ऐसे में तीसरे मैच में उनकी वापसी तय है। कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि वह तीसरा मैच खेलेंगे सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय भी इस मैच में बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। इंग्लैंड के पास विश्व स्तर का बल्लेबाजी और गेंदबाजी आक्रमण होने के कारण यह मैच बेहद रोमांचक होना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

भारत: विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, शारदुल ठाकुर, नवदीप सैनी, दीपक चाहर, राहुल तेवतिया, इशान किशन (रिजर्व विकेटकीपर)।

इंग्लैंड: इयोन मोर्गन (कप्तान), जोस बटलर, जेसन रॉय, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, बेन स्टोक्स, मोईन अली, आदिल राशिद, रीस टॉपले, क्रिस जोर्डन, मार्क वुड, सैम कुरेन, टॉम कुरेन, सैम बिलिंग्स, जॉनी बेयरस्टो और जोफ्रा आर्चर।

डब्ल्यूटीटी : मरियाना को हराकर पिगोसी ने जीता खिताब

पुणे।

ब्राजील मूल की स्पेनिश खिलाड़ी लौरा पिगोसी ने एकल वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की मरियाना जाकारल्यूक को हराकर 25,000 डॉलर आईटीएफ डब्ल्यूटीटी कप टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। तीसरी सीड पिगोसी ने पांचवीं सीड मरियाना को दो घंटे 37 मिनट तक चले मुकाबले में 6-0, 3-6, 7-6(5) से हराकर इस टूर्नामेंट का खिताब जीता। पिगोसी का कोरोनावायरस के कारण लगे लॉकडाउन के बाद यह पहला खिताब है। पिगोसी ने कहा, यह सप्ताह मेरे लिए काफी अच्छा रहा। मैंने टूर्नामेंट के डायरेक्टर से बात की थी तो उन्होंने मुझे कहा था कि अगर आप ब्राजील से हो तो भारत आने की मत सोचना क्योंकि तुम्हें क्वारंटीन में रहना होगा। लेकिन मैंने उनसे कहा कि मेरे पास स्पेन का पासपोर्ट है तभी उन्होंने मुझे यहां आने दिया। ऐसे हालात के बाद चैंपियन बनना काफी सुखद है। एकल वर्ग के विजेता को ईनाम के तौर पर 2,86,000 रूपये और 50 डब्ल्यूटीए अंक जबकि उपविजेता को 1,54,000 रूपये और 30 अंक मिले।

मेदवेदेव ने ओपन खिताब जीता, रैंकिंग में नंबर 2 पर पहुंचे

मार्सेली । शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने युगल विशेषज्ञ पियरे हुगुएस हरबर्ट को ओपन फाइनल में 6.4, 6.7, 6.4 से हराकर कैरियर का दसवां खिताब जीत लिया। वह ताजा एटीपी रैंकिंग में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी बनने जा रहे हैं। मेदवेदेव रैंकिंग में रफेल नडाल की जगह लेंगे। बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल तीसरे स्थान पर खिसक जाएंगे। उन्होंने दस में से छह खिताब इंडोर और हार्डकोर्ट पर जीते हैं। वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी फ्रांस के हरबर्ट ने इस सप्ताह दूसरी वरीयता प्राप्त यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास और दुनिया के पूर्व चौथे नंबर के खिलाड़ी केइ निशिकोरि को हराया था। इस सप्ताह दूसरी रैंकिंग पाने के बाद मेदवेदेव बिग फोर (रोजर फेडरर, नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी मर्रे) से बाहर यह रैंकिंग हासिल करने वाले जुलाई 2005 के बाद पहले खिलाड़ी होंगे।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज : वर्चुअल क्वार्टर फाइनल में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा इंग्लैंड

रायपुर.

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज टी20 के 16वें मैच में मंगलवार को वेस्टइंडीज लेजेंडस का सामना इंग्लैंड लेजेंडस से होगा और यह इस मैच को जीतने वाली टीम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, जबकि हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। केविन पीटरसन की कप्तानी वाली इंग्लैंड लेजेंडस 12 अंकों के साथ तालिका में चौथे नंबर पर है जबकि ब्रायन लारा की अगुवाई वाली विंडीज आठ अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। इंग्लैंड के पास विंडीज को हराकर 16 अंक अपने नाम करने का मौका होगा। हालांकि टूर्नामेंट के अगले चरण में प्रवेश करने के लिए कैरेबियाई टीम को न केवल जीत के साथ चार अंक लेना होगा बल्कि अपना नेट रन रेट भी बेहतर करना होगा। फिलहाल, विंडीज टीम का नेट रन रेट -0.352 है, जबकि इंग्लैंड का नेट रन रेट -1.470 है। इंग्लैंड अगर विंडीज को हरा देता है तो वह आसानी से अगले दौर में पहुंच जाएगा, लेकिन विंडीज को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बेहतर रन रेट के साथ जीत दर्ज करना होगा।बांग्लादेश के खिलाफ बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करने के बाद विंडीज का आत्मविश्वास काफी ऊंचा होगा। उनके कप्तान ब्रायन लारा भी शानदार फॉर्म में लौट चुके हैं और उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 31 रनों की नाबाद पारी खेली थी। किकि एडवडर्स का फॉर्म भी विंडीज की बल्लेबाजी को गहराई देगा। उनके अलावा ड्वैन स्मिथ भी जरूरत पड़ने पर आक्रामक बल्लेबाजी कर सकते हैं। विंडीज टीम हालांकि गेंदबाजी विभाग में संघर्ष करती हुई नजर आ रही है। विकेट लेने के मामले में केवल लेफ्ट आर्म स्पिनर सुलेमान बेन ही सबसे निरंतर रहे हैं। बाकी गेंदबाज आउट ऑफ फॉर्म दिख रहे हैं। इंग्लैंड के लिए भी यह मुकाबला थोड़ा

मुश्किल होगा। रविवार रात को श्रीलंका के हाथों मिली हार के बाद इंग्लैंड का आत्मविश्वास डगमगाया है क्योंकि निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर केवल 78 रन ही बना सकी थी। इंग्लैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह से कप्तानी पीटरसन पर निर्भर है और उन्हें यहां बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अनुभवी गेंदबाज मोंटी पनेसर के होने से टीम की गेंदबाजी थोड़ी अच्छी है। पनेसर न केवल विकेट चटकाते हैं बल्कि रन भी कम देते हैं और बल्लेबाजों पर दबाव बनाकर रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

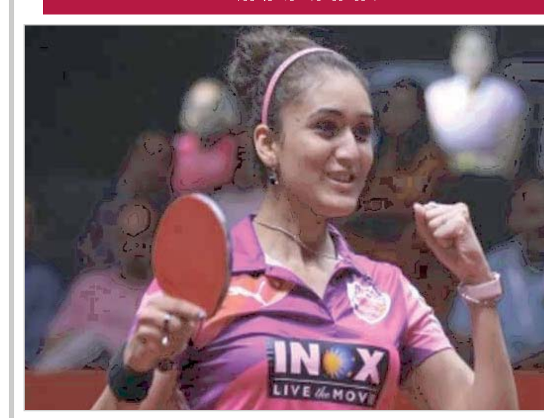

टेटे : मनिका और सुतिर्था को विश्व सिंगल्स में मिली जीत

दोहा. भारत की टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और सुतिर्था मुखर्जी ने दोहा में चल रहे विश्व सिंगलस क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के महिला एकल नॉकआउट स्टेज-1 के अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। इस जीत से मनिका और सुतिर्था ने इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल करने के लिए एक कदम और बढ़ा लिया है। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका ने बुल्गारिया की मारिया योवकोवा को 11-5, 11-7, 11-4, 11-0 से मात दी। सुर्तिथा ने इटली की खिलाड़ी लिसा लुंग को 11-3, 11-5, 11-7, 12-10 से हराया। इस बीच, अचंता शरत कमल और जी सात्यिान को पुरुष एकल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। सात्यिान को मिहाई बोबोसिका ने 11-7, 11-6, 11-8, 11-5 से हराया। शरत को निएगोल स्तोयानोव के हाथों 11-9, 6-11, 8-11, 4-11, 11-8, 10-12 से हार का सामना करना पड़ा।

फेड कप : स्प्रिंटर अंजलि महिला 400 मीटर रेस से हटीं

नई दिल्ली. हरियाणा के स्प्रिंटर अंजलि देवी चोट के कारण सीनियर राष्ट्रीय फेडरेशन कप एथलेटिक्स के महिला 400 मीटर रेस से हट गई हैं। 23 वर्षीय एथलीट ने बताया कि पटियाला में ट्रेनिंग सत्र के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। फेड कप का आयोजन सोमवार से पटियाला में होना है। अंजलि ने आईएएनएस से कहा, डॉक्टर ने मुझे चार से छह सप्ताह तक ट्रेनिंग से ब्रेक लेने के लिए कहा है। मैं रिहेबिलिटेशन में हूं, इसलिए मैं सत्र के पहले बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाऊंगी। अंजलि ने 2019 में दोहा में हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था लेकिन 400 मीटर वर्ग के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी थीं। भारतीय मिश्रित चार गुणा 400 रिले टीम ने इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है लेकिन व्यक्तिगत रूप से अभी तक किसी भी पुरुष या महिला एथलीट ने ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है। फरवरी में हुए इंडियन ग्रां प्री के दूसरे चरण में अंजलि ने 200 मीटर में भाग लिया था और उनका विजयी समय 23.57 सेकेंड रहा था। अंजलि ने कहा, रेस के बाद मुझे कुछ दर्द महसूस हुआ। मुझे लगा कि कुछ गलत हो रहा है और मैं इलाज के लिए डॉक्टर के पास गई। मुझे डॉक्टर ने आराम करने की सलाह दी।

रोनाल्डो बने इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर

नई दिल्ली।

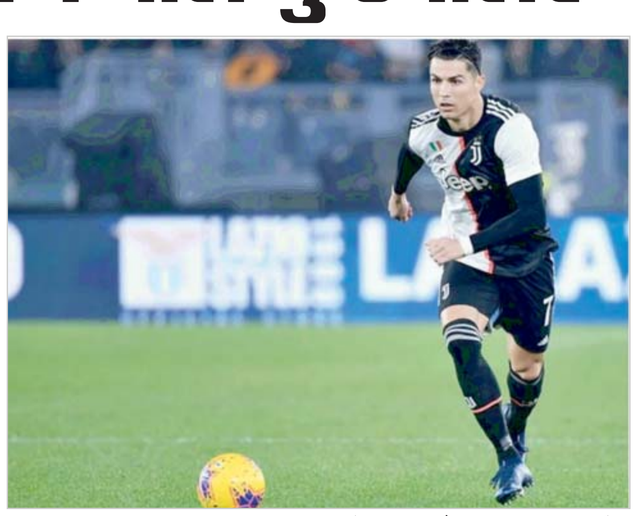

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इटालियन लीग सीरी-ए टूर्नामेंट में रविवार को गोल की हैट्रिक लगाने के साथ ही विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दिया। रोनाल्डो फुटबॉल इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में महान खिलाड़ी ब्राजील के पेले को पीछे छोड़ दिया है। रोनाल्डो ने युवेंटस की ओर से खेलते हुए कैगिलियरी को 3-1 से हरा दिया। रोनाल्डो ने तीनों गोल पहले हाफ में किए।रोनाल्डो के अब 770 गोल हो चुके हैं। दूसरी ओर, पेले के ऑफिशियल अकाउंट के मुताबिक उन्होंने 767 गोल दागे थे। पेले ने इस उपलब्धि के लिए रोनाल्डो को सोशल मीडिया पर बधाई भी दी और एक फोटो भी शेयर की। उन्होंने कहा कि मुझे बस इस बात का खेद है कि मैं अभी आपके पास नहीं हूं और आपको गले मिलकर बधाई नहीं दे पा रहा हूं। इसलिए हमारी दोस्ती को दर्शाने के लिए यह फोटो शेयर कर रहा हूं। हमारी दोस्ती काफी सालों से है और आगे भी रहेगी। रोनाल्डो ने कहा कि मैंने 770 ऑफिशियल गोल दाग दिए हैं। पर, मैं पेले के बारे में कहना चाहूंगा कि फुटबॉल में कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं है, जिसने बड़े होते वक्त उनकी कहानी नहीं सुनी हो। पेले से बड़ा कोई खिलाड़ी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। अभी और भी ट्रॉफी बाकी हैं। मेरा साथ देने के लिए सभी को धन्यवाद।

रीयाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी की नजरें चैम्पियंस लीग अंतिम आठ में जगह बनाने पर

मैड्रिड ।

रीयाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी जैसे धुरंधर मंगलवार और बुधवार को यहां होने वाले चैम्पियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 के बाकी मैचों में जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेंगे। रीयाल मैड्रिड का सामना अटलांटा से होगा जिसे उसने पहले चरण में 1-0 से हराया था। चोट के कारण बाहर रहे करीम बेंजीमा फिर से फॉर्म में है जिससे रीयाल मैड्रिड का आक्रमण मजबूत होगा। बेंजीमा ने वापसी के बाद दो मैचों में तीन गोल किए हैं। उनके अलावा कप्तान सर्जियो रामोस भी इस मैच के लिए उपलब्ध होंगे। मैनचेस्टर सिटी की टक्कर बोरूशिया मोंशेंग्लाबाख से होगी जिसे उसने पहले चरण में 2-0 से मात दी थी। ग्लाबाख को फरवरी से अब तक सभी छह मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा है और उसके कोच मार्को रोस अगले सत्र में बोरूशिया डॉर्टमंड से जुड़ने जा रहे हैं। पहले चरण की ही तरह यह मैच ब्रिटेन की बजाय हंगरी में खेला जाएगा। सिटी प्रीमियर लीग में 14 अंक की बढत बनाए हुए है लिहाजा पहली बार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने पर फोकस कर सकती है। पिछले यूरोपीय चैम्पियन बायर्न म्युनिख का सामना लाजियो से होगा। पहले चरण में 4-1 से जीत के बाद उसका अंतिम आठ में पहुंचना लगभग तय है। फीफा के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर राबर्ट लेवांडोवस्की पर अच्छे प्रदर्शन का दारोमदार होगा जो बुडेस्लिगा के तीन मैचों में छह गोल कर चुके हैं। वहीं चेलसी की टीम एटलेटिको मैड्रिड से भिड़ेगी और यह किसी प्रीमियर लीग टीम का इकलौता मैच है जो इंग्लैंड में हो रहा है। जर्मन टीमें मैनचेस्टर या लिवरपूल यात्रा नहीं कर सकी लेकिन एटलेटिको को वापसी पर मैड्रिड में पृथकवास में रहने की जरूरत नहीं है।

पीजीटीआई के बोर्ड में सदस्य के रूप में शामिल हुए कपिल

नई दिल्ली। महान क्रिकेटर कपिल देव को सोमवार को भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के बोर्ड में सदस्य के रूप में शामिल किया गया। विश्व कप 1983 में भारत की खिताबी जीत के दौरान टीम की अगुआई करने वाले कपिल ने कहा कि वह देश में गोल्फ के विकास के लिए काम करेंगे। पीजीटीआई की विज्ञप्ति में कपिल ने कहा, मुझे बोर्ड का सदस्य बनाने के लिए मैं पीजीटीआई को धन्यवाद देना चाहता हूं। पीजीटीआई का हिस्सा बनने की मुझे बेहद खुशी है और गोल्फ को खेल के रूप में बढ़ावा देने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।'' इस बीच दिल्ली-एनसीआर ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2021 का आयोजन टाटा स्टील पीजीटीआई और नोएडा का प्रोमेथियस स्कूल संयुक्त रूप से करेंगे। यह टूर्नामेंट गुरुग्राम के गोल्डन ग्रीन्स गोल्फ क्लब में मंगलवार से खेला जाएगा। प्रो-ऐम स्पर्धा 20 मार्च को होगा। तोक्यो ओलंपिक के क्वालीफिकेशन के लिए अब तीन महीने से कुछ अधिक का समय बचा है जिसकी कट आफ तारीख 21 जून है। राशिद खान (306), उदयन माने (317), करणदीप कोच्चर (348) और चिकारंगप्पा (349) विश्व रैंकिंग में शीर्ष चार भारतीय गोल्फर हैं।

ओवरसाइज्ड बूट्स और आईएसएल ट्रॉफी के बाद बिपिन अब अगली चुनौती के लिए तैयार

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के फाइनल में विनिंग गोल करके मुम्बई सिटी एफसी को पहली बार चैम्पियन बनाने वाले बिपिन सिंह अगली सुबह अपने जूतों के साथ बैठे और उनपर हाथ फेरने लगे। बिपिन के पास अब हालांकि कई सारे जूते हो गए हैं, जिन्हें उन्होंने अपने बैग में रख लिया है और अब वह अगली चुनौती का सामना करने के लिए निकल पड़े हैं। आईएसएल के सातवें सीजन में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बिपिन को ओमान और यूएई के खिलाफ होने वाले अंतर्राष्ट्रीय दोस्ताना मुकाबलों की तैयारियों के लिए 27 सदस्यीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है। ये टीम अभ्यास शिविर में भाग लेगी। बिपिन को पहली बार सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के अभ्यास शिविर के लिए चुना गया है। उन्होंने आईएसएल के सातवें सीजन में मुम्बई सिटी एफसी के लिए हैट्रिक सहित छह गोल किए हैं। बिपिन ने शुरुआती दिनों में अपने ओवरसाइज्ड बूट्स को लेकर कहा, ÷मेरे पास पहनने के लिए जूते नहीं थे। इसलिए मैं कोई भी जूता पहनकर खेलने के लिए दौड़ पड़ता था। लेकिन उन जूतों की साइज बड़ी थी और इसलिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण था। लेकिन मैंने उससे गुजारा कर लिया। लोग मुझपर हंसते थे। यह पूछे जाने पर कि अभी आपके पास कितने जूते हैं, इस पर उन्होंने कहा, मेरे पास नौ जूते हैं। नहीं.. मुझे लगता है कि मेरे पास 11 जूते हैं। हालांकि बाद में उन्होंने कहा, निश्चित रूप से 10, हो सकता है 12 है। बिपिन एएफसी चैंपियंस लीग क्वालीफिकेशन में मुम्बई सिटी एफसी का हिस्सा रह चुके हैं और अब उन्होंने टीम के साथ आईएसएल का खिताब भी जीता है। उन्हें पहली बार भारत की नेशनल टीम कैम्प में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, ÷एक बार मुझे गोवा में अंडर-14 नेशनल टीम ट्रॉयल्स के लिए नजरअंदाज कर दिया गया था। भारत के लिए खेलना मेरा

सपना था। बाद में जब मैंने जूनियर खिलाड़ियों को विदेशी टीमों के खिलाफ खेलते देखा और उन्हें पूरे विश्व का दौरा करते देखा, तो मुझे जलन हुई। बिपिन ने कहा, इस बुलावे के लिए मैंने कड़ी मेहनत की है। कोच इगोर स्टीमाक का शुक्रिया अदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। अब मुझे उन्हें कुछ वापस देना चाहिए। साथ ही मैं मुम्बई सिटी के कोच सर्जियो लोबेरा का भी बहुत शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मेरे अंदर काफी आत्मविश्वास जगाया है।

स्पोर्ट्स एंकर संजना के साथ शादी के बंधन में बंधे बुमराह

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शादी स्पोर्ट्स एंकर संजना गणेश से हुई है। बुमराह ने हाल ही में निजी कारणों से टीम इंडिया से बाहर रहने की बात कही थी और इस मामले में उन्हें बीसीसीआई ने अनुमति भी दी थी अब उसका कारण समझ में आया है। बुमराह और संजना की शादी अनंत कारज की रस्े म गोवा के एक गुरुद्वारे में संपन्न हुई। पिछले कुछ समय से बुमराह और संजना की शादी की अटकलें लगायीं जा रहीं थीं जो सही साबित हुई हैं। बुमराह ने कुछ समय पहले ही अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। संजना मनोरंजन जगत से हैं। संजना ने एमटीवी के रिएलिटी शो स्पिलिट्स विला से टीवी पर अपना डेब्यू किया था। संजना ने साल 2013 में फेमिना गॉर्जियस का खिताब भी जीता था। संजना गणेशन आईपीएल के दौरान 'केकेआर डायरीज' नाम के शो की भी होस्ट भी रही हैं। वह 2016 में केकेआर के साथ जुड़ी थीं और 'नाइट क्लब' नाम का शो होस्ट करती थीं। गौरतलब है कि इससे पहले बुमराह का नाम तेलुगु फिल्म अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन के साथ जोड़ा गया था। अनुपमा भी हाल ही में गुजरात पहुंची थी, जिसकी वजह से इन खबरों को हवा मिल रही थी पर कुछ दिनों बाद ही अनुपमा की मां ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी बेटी फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में गुजरात गई है। उनका बुमराह की शादी से कोई संबंध नहीं है। वहीं, अनुपमा का नाम हटने के बाद बुमराह का नाम एंकर संजना के साथ जोड़ा जा रहा था।

पहली मुलाकात में ठीक से जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहांवहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या?

आखिर क्या बातें फरस्ट मींटिग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की- सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

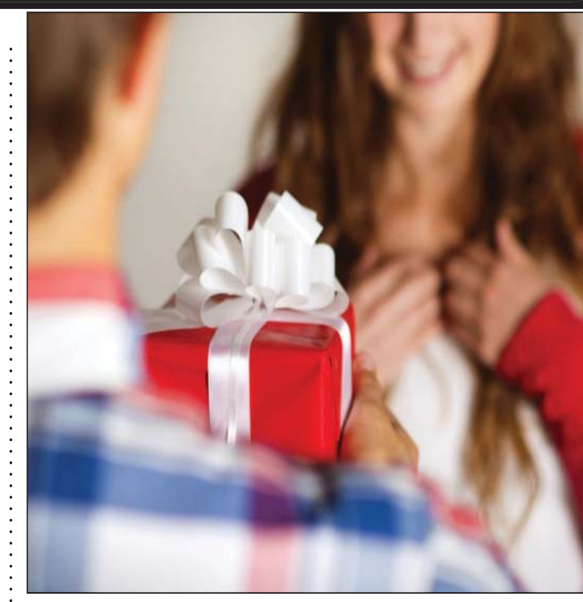

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

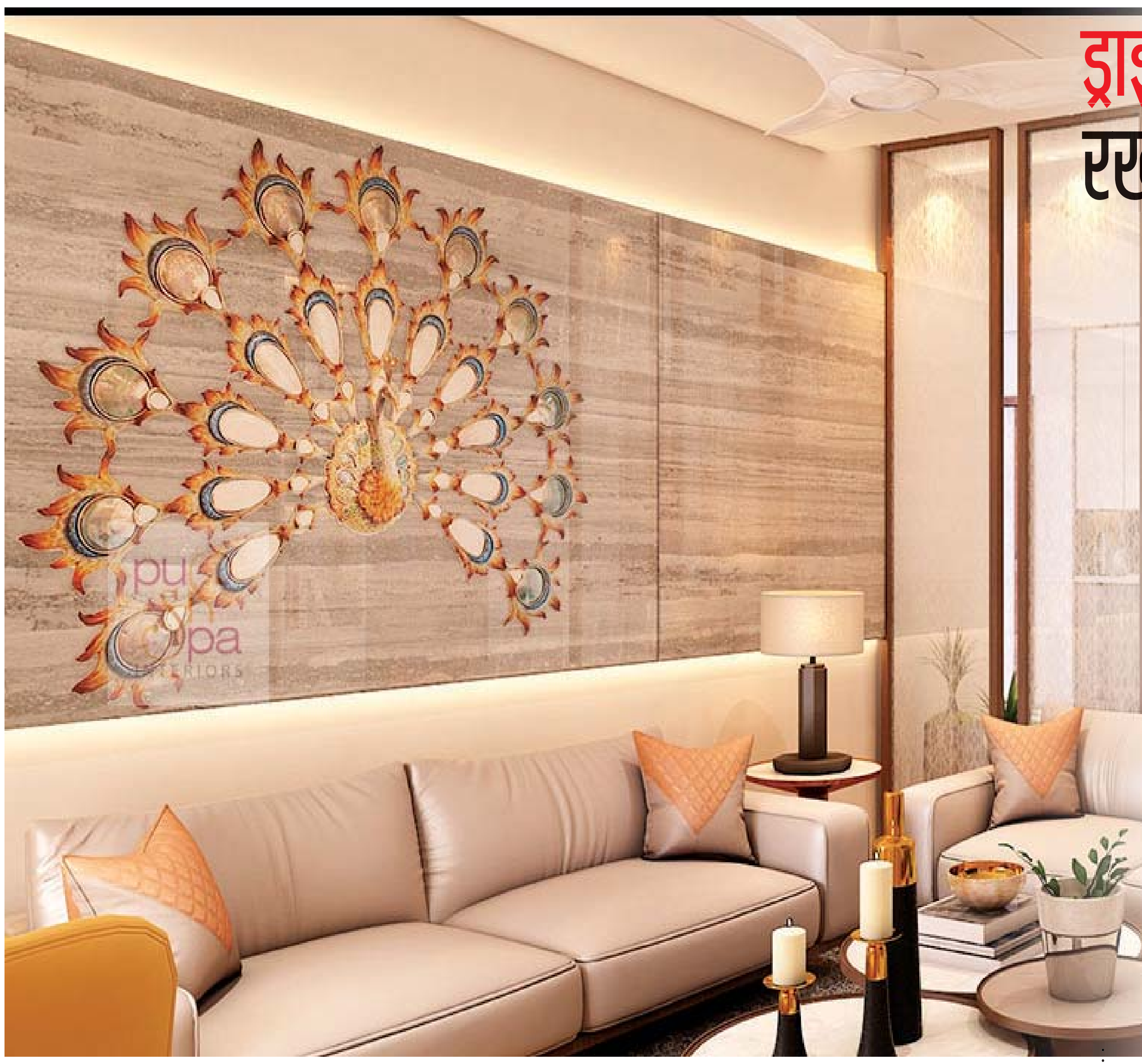

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट-

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

ब्राइट स्किन के लिए इस तरह चेहरे पर लगाएं शहद और केसर

हर महिला की इच्छा होती है कि उसकी स्किन लाइटन, ब्राइटन और ग्लोइंग नजर आए। आमतौर पर महिलाएं अपनी नेचुरल ब्यूटी को बढ़ाने के लिए बाजार में मिलने वाली तरह-तरह की क्रीम का सहारा लेती हैं। जहां एक ओर मार्केट में मिलने वाले यह ब्यूटी प्रॉडक्ट आपकी जेब धीरे-धीरे खाली कर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कभी-कभी इनके विपरीत परिणाम भी देखने को मिलते हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही ब्राइट स्किन पाने के लिए शहद और केसर से बनने वाले फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इस बेहतरीन होममेड फेस पैक के बारे में-

ऐसे बनाएं फेस मास्क

स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा छोटा चम्मच केसर लें और एक बाउल में केसर के साथ एक चम्मच शहद मिक्स करें। जब यह अच्छी तरह मिक्स हो जाए तो पहले अपने फेस को अच्छी तरह साफ करें। इसके बाद आप फेस मास्क ब्रश की मदद से इस पैक को अपने चेहरे पर अप्लाई करें और करीबन दस मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को वॉश करें।

रखें इसका ध्यान

अगर आप इस फेस मास्क को अपने चेहरे पर अप्लाई कर रही हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो आप आर्गेनिक शहद ही खरीदें ताकि स्किन पर किसी भी तरह की इरिटेशन या अन्य समस्या होने का खतरा ना रहे। वहीं
अगर आप केसर को पाउडर नहीं कर सकतीं तो ऐसे में आप केसर के धागों को ही शहद में मिक्स करें। आप इस मास्क को अपनी किचन सिंक या बाथरूम में अप्लाई करें ताकि वह टपककर जमीन पर ना गिरे और फिर आपको इसे क्लीन करने की मेहनत अलग से ना करनी पड़े।

मिलते हैं यह लाभ

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस मास्क से आपकी स्किन को कई बेहतरीन लाभ मिलते हैं। सबसे पहले तो शहद आपकी त्वचा को साफ और मॉइस्चराइज करेगा। इसमें जीवाणुरोधी गुण भी होते हैं जो आपकी त्वचा को बैक्टीरिया और मुँहासे पैदा करने वाले कीटाणुओं से मुक्त रखेंगे। वहीं शहद और केसर का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को ब्राइटन व लाइटन करके स्किन कॉम्पलेक्शन को बेहतर बनाता है।

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी? उसने उन सभी में अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं।

लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी। उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गईं भारत से ही होंगी न? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।' बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें । सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.यही है.रंग रूप, थोड़े गम हैं थोड़ी खुशियां यही हैं.यही हैयही है छांव धूप.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मैक्सिको के राष्ट्रपति ने कोविड-19 के टीकों को लेकर अमेरिका पर कसा तंज

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के राष्ट्रपति एंद्रेस मैनुएल लोपेज ओब्रादोर ने रविवार को अमेरिका सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अमेरिका ने कोरोना वायरस से टीके देकर मैक्सिको की मदद नहीं की। लोपेज ओब्रादोर ने टीके देने के लिए भारत, रूस तथा चीन का शुक्रिया अदा किया। भारत तथा रूस ने मैक्सिको को छोटी संख्या में टीके दिए हैं। वहीं चीन की कम्पनियों ने उसे लाखों टीके देने का वादे किया है। लोपेज ओब्रादोर ने कहा, '' मैं उम्मीद करता हूं कि मैं जल्द अमेरिका सरकार का भी शुक्रिया कर पाऊंगा, क्योंकि मुझे यकीन है कि वे जल्द मदद करेंगे, लेकिन अभी तक उन्होंने कोई मदद नहीं की है।'' मैक्सिको में कोरोना वायरस संक्रमण से करीब 1,95,000 लोगों की मौत हो चुकी है और अभी तक देश में संक्रमण के करीब 22 लाख मामले सामने आए हैं। देश ने कोविड-19 रोधी छह टीकों को मंजूरी दी है और 43.4 लाख लोगों को टीके लग चुके हैं। व्हाइट हाउस मैक्सिको, कनाडा और यूरोपीय संघ सहित कई अमेरिकी सहयोगियों की टीके की मांग को अस्वीकार कर चुका है। अमेरिका में महीनों से टीके बनाए जाना जारी है लेकिन उनका इस्तेमाल केवल देश के नागरिकों के लिए किया जा रहा है।

ईरान ने नए भूमिगत मिसाइल केंद्र की शुरुआत की, बल की नौसेना को बनाएंगे शक्तिशाली

तेहरान। ईरान के अर्द्धसैनिक रिवॉल्युशनरी गार्ड ने सोमवार को मिसाइल भंडारण के लिए नए भूमिगत केंद्र का उद्घाटन किया। यह जानकारी देश के सरकारी टेलीविजन ने दी। खबरों में गार्ड के कमांडर जनरल हुसैन सलामी के हवाले से कहा गया कि क्रूज और बैलेस्टिक मिसाइल, बल की नौसेना को और शक्तिशाली बनाएंगे। टीवी पर एक बंद स्थान पर दर्जनों मिसाइल के फुटेज दिखाए गए जो भूमिगत कोरीडोर से मिलते-जुलते थे। इसने यह नहीं बताया कि यह केंद्र कहां है, न ही वहां रखे गए मिसाइलों की संख्या बताई। ईरान ने 2011 से ही देश भर में भूमिगत केंद्रों की संख्या बढ़ाई है। साथ ही हुरमुज की खाड़ी के नजदीक दक्षिण तट पर भी तैनाती बढ़ाई है। ईरान का दावा है कि उसके पास ऐसे मिसाइल हैं जो दो हजार किलोमीटर की दूरी तक जा सकते हैं, जिससे इजरायल सहित पश्चिम एशिया के अधिकतर स्थान इसकी जद में हैं। अमेरिका और इसके सहयोगी ईरान के मिसाइल एवं परमाणु कार्यक्रम को खतरे के तौर पर देखते हैं।

बहुत तेजी से फैल रहा कोरोना का नया स्ट्रेन, लॉकडाउन लगने की आशंका

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में कोरोना वायरस के नए स्वरूप के चलते संक्रमण तेजी से फैल रहा है, जिससे अस्पताल के आईसीयू के बिस्तर कम पड़ने लगे हैं। कोविड-19 टीके की आपूर्ति सीमित होने के चलते टीकाकरण अभियान भी प्रभावित हो रहा है। इस बीच, अधिकारियों का कहना है कि पेरिस में लॉकडाउन लगाया जा सकता है। सप्ताहांत में विशेष मेडिकल विमानों के जरिए मरीजों को पेरिस से कम प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी के प्रमुख जेरोम सोलोमोन ने रविवार को कहा, अगर हमें लॉकडाउन लगाना पड़ा तो हम ऐसा ही करेंगे। हालात जटिल हैं और पेरिस क्षेत्र में यह और बिगड़ रहे हैं। सोलोमोन ने स्वीकार किया कि संक्रमण के प्रसार को काबू करने के लिए शाम छह बजे के बाद का राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू कुछ क्षेत्रों के लिए काफी नहीं था। खासतौर पर ब्रिटेन में सामने आए नए स्वरूप के मद्देनजर यह काफी नहीं था।

चीन में इतनी तेज आई आंधी कि 'उड़ गए' 341 चाइनीज लोग, 400 से अधिक उड़ानें भी रद्द

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में दशक का सबसे भयानक धूल की आंधी (सैंडस्टॉर्म) आई। सोमवार को आए इस तूफान से बीजिंग पीले रंग की धूल की चादर में ढक गया। कई इलाकों में तो इतनी ज्यादा धूल रही कि सड़कों पर वाहनों की हेडलाइटें जलाकर चलना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक धूल भरी आंधी आने के बाद से मंगोलिया और आसपास के इलाकों में 341 लोग लापता हो गए हैं। तेज हवा और कम दिखाई देने के कारण सैकड़ों हवाई यात्राएं रद्द करनी पड़ीं। बीजिंग के दो महत्वपूर्ण हवाई अड्डों पर करीब 400 से ज्यादा हवाई यात्राओं को रद्द किया गया। चीन ने बीते दस सालों में ऐसा तूफान नहीं देखा था। इसके कारण लोगों को दिन में भी अपने घरों की लाइट्स जलानी पड़ीं। सड़कों पर वाहन लेकर निकले लोगों को भी देखने में परेशानी हुई। पूरे शहर में घने पीले और भूरे रंग की धूल भरी आंधी आई। इसके कारण विजिबिटी एकदम कम हो गई। लोगों को अपने पास की चीजें देखने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा। गौरतलब है कि यह धूल भरी आंधी मंगोलिया के पठारों से उड़ी धूल की वजह से आई है।

येलो अलर्ट जारी: सैंडस्टॉर्म के कारण चीन के मेट्रोलॉजिकल एडमिनिस्ट्रेशन ने सोमवार को बीजिंग और आसपास के इलाके में येलो अलर्ट जारी कर दिया। यह सैंडस्टॉर्म (धूल की आंधी) मंगोलिया से शुरू होकर गांसू, शांसी और हेबेई प्रांत तक फैली थी और यह सभी प्रांत राजधानी बीजिंग से सटे हैं।

एक्यूआई 500 तक पहुंचा: धूल भरी आंधी के कारण बीजिंग का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) बहुत बढ़ गया। कुछ जगहों पर एक्यूआई 1000 दर्ज किया गया। यह प्रदूषण और स्वास्थ्य के हिसाब से बेहद खतरनाक है। बीजिंग में एक्यूआई अधिकतम स्तर 500 पर पहुंचा। कई इलाकों में पीएम 10 पार्टिकल का स्तर 2000 माइक्रोग्राम्स प्रति क्यूबिक मीटर तक भी दर्ज किया गया।

हर वर्ष तूफान से जूझता है बीजिंग: बीजिंग अक्सर मार्च और अप्रैल के महीने में सैंडस्टॉर्म से जूझता है। माना जाता है कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि गोबी रेगिस्तान करीब में ही है।

क्वाड शिखर सम्मेलन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने चीन को दिया संदेश

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि चार देशों की सदस्यता वाले 'क्वाड' समूह के नेताओं के पहले डिजिटल शिखर सम्मेलन में सब अच्छा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बाइडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने शुक्रवार को हुई इस ''चतुष्पदीय सुरक्षा वार्ता'' में भाग लिया था। बाइडेन ने क्वाड शिखर सम्मेलन पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए रविवार को संवाददाताओं से कहा, ''इसमें सब बहुत अच्छा रहा। ऐसा लगता है कि सभी को यह एक अच्छा समझौता लगा।'' बाइडेन ने शिखर सम्मेलन में चीन को एक स्पष्ट संदेश देते हुए कहा था कि एक ''मुक्त और खुला'' हिंद-प्रशांत क्षेत्र आवश्यक है। उन्होंने कहा था कि अमेरिका स्थिरता की स्थिति हासिल करने के वास्ते क्षेत्र में अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाइडन ने कहा था कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के लिए 'क्वाड' महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है और सहयोग बढ़ाने में यह एक नया तंत्र बनकर उभरा है। बाइडन ने परोक्ष तौर पर चीन की ओर इशारा करते हुए कहा था, ''हम अपनी प्रतिबद्धताओं को जानते हैं ... हमारा क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा संचालित है, हम सभी सार्वभौमिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध है और दबाव से मुक्त हैं। मैं हमारी संभावनाओं के बारे में आशावादी हूं।'' चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी सम्प्रभुता का दावा करता है, लेकिन वियतनाम, मलेशिया, फिलीपींस, ब्रुनेई और ताइवान भी इस पर अपना दावा करते हैं। पूर्वी चीन सागर में दावे को लेकर चीन और जापान के बीच विवाद है। 'क्वाड' के नेताओं ने शिखर सम्मेलन के बाद 'द वॉशिंगटन पोस्ट' में छपे एक लेख में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे चीन को स्पष्ट संदेश देते हुए इस बात पर पुनः जोर दिया कि वे यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि यह क्षेत्र सभी के लिए सुगम हो और नौवहन की स्वतंत्रता एवं विवादों के शांतिपूर्ण समाधान जैसे मूल सिद्धांतों एवं अंतराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार इसका संचालन हो। उन्होंने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई को लेकर प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि यह हाल के इतिहास में स्वास्थ्य एवं आर्थिक स्थिरता को सबसे बड़ा खतरा है और क्वाड देशों को इससे निपटने के लिए मिलकर काम करना होगा। नेताओं ने कहा, 'हम भारत में सुरक्षित, सुगम और प्रभावशाली टीकों का उत्पादन तेज करने और बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लेते हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर चरण पर मिलकर काम करेंगे कि 2022 तक पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में टीकाकरण हो जाए।'' क्वाड ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक पहल को अंतिम रूप दिया, जिसके तहत भारत में बड़ा निवेश किया जाएगा, ताकि उसकी कोविड-19 टीके बनाने की क्षमता बढ़ सके और वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में निर्यात के लिए 2022 तक एक अरब टीके बना ले। इसे चीन की टीके संबंधी कूटनीति का जवाब देने के लिए अहम कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

कर्ज के बोझ तले दबा जा रहा पाकिस्तान फिर भी नहीं मान रहा, लगातार खरीदता जा रहा है हथियार

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की जनता को प्रधानमंत्री इमरान खान से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वे खरा नहीं उतर पाए। नया पाकिस्तान बनाने का दावा कर सत्ता में आए इमरान ने अपने मुल्क की स्थिति पहले के मुकाबले भी और अधिक खराब कर दी। पाकिस्तान दिन पर दिन कर्ज के बोझ तले दबा जा रहा है, जिसकी वजह से उसका दोस्त चीन उस पर हावी होने लगा है। अब एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें यह पता चला है कि पाकिस्तान गरीबी, कर्ज के बोझ तले दबने के बावजूद अपने घर में हथियारों का जखीरा इकट्ठा कर रहा है। पाकिस्तान उन देशों में शामिल है, जिन्होंने लगातार हथियारों को दूसरे देशों से इम्पोर्ट किया है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, चीन, दक्षिण कोरिया जैसे देशों के अलावा उन देशों में पाकिस्तान भी शामिल था, जिन्होंने साल 2016-20 में 42 फीसदी हथियार खरीदे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दुनिया के सबसे बड़े एक्सपोर्टर्स अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी हैं, जिनकी डिलिवरी में और अधिक बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, रूस और चीन को नुकसान हुआ है। साल 2016-20 की अवधि में रूस और चीन के हथियारों की डिलिवरी फ्लैट रही है, जबकि पहले के दशकों में इसमें बढ़ोतरी होती थी।

SIPRI ने कहा कि 2001-2005 के बाद यह पहली बार था कि इन देशों के बीच प्रमुख हथियारों की डिलिवरी की मात्रा पिछले पांच साल की अवधि से नहीं बढ़ी। जहां महामारी ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है और कई देशों को गहरी मंदी में धकेल दिया है। एसआईपीआरआई ने कहा कि अभी यह बताना जल्दबाजी होगी कि क्या हथियारों की आपूर्ति में मंदी जारी रहने की संभावना है या नहीं।

एसआईपीआरआई आर्म्स एंड मिलिट्री एक्सपेंडिचर प्रोग्राम के वरिष्ठ शोधकर्ता पीटर वीजमैन ने एक बयान में कहा, 'कोरोना महामारी का आर्थिक प्रभाव आने वाले सालों में कुछ देशों को अपने हथियारों के इम्पोर्ट को आश्वस्त कर सकता है।' उदाहरण के तौर पर संयुक्त अरब अमीरात ने हाल ही में अमेरिका के साथ 23 बिलियन डॉलर पैकेज के हिस्से के रूप में 50 एफ-35 जेट और 18 सशस्त्र ड्रोन खरीदने के लिए समझौता किया।

मिडल ईस्ट देशों में साल 2011-15 से 2016-20 तक 25 फीसदी का हथियार इम्पोर्ट करने के मामले में उछाल देखा गया। दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातक सऊदी अरब ने अपने हथियारों के इम्पोर्ट में 61त्न और कतर में 361त्न की वृद्धि की।

म्यांमार में जारी तख्तापलट का विरोध, यांगून शहर के कई हिस्सों में मार्शल कानून लागू

यांगून। (एजेंसी)।

म्यांमार में सत्तारूढ़ जुंटा (सैन्य शासन) ने देश के सबसे बड़े शहर यांगून के कई हिस्सों में मार्शल कानून लागू करने की घोषणा की है। असैन्य सरकार का तख्ता पलट करने के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों को काबू करने के लिए की जा रही सख्त कार्रवाई में मारे गए लोगों की बढ़ती संख्या के बीच सैन्य शासन ने यह कदम उठाया है। हिंसा में मारे गए लोगों की संख्या पर नजर रखने वाले स्वतंत्र समूह 'एसिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रीजनर्स' के मुताबिक, रविवार सबसे हिंसक दिनों में से एक रहा, क्योंकि प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कम से कम 38 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। समूह के मुताबिक, सबसे अधिक 34 लोगों की मौत यांगून में हुई है और जहां के दो टाउनशिप हलियांग थार यार और पड़ोसी श्वेपियता में मार्शल कानून लागू किया गया है।

हलियांग थार यार टाउनशिप का एक कथित वीडियो सामने आया है जिसमें लोग भाग रहे हैं और गोली चलने की आवाजें आ रही हैं। 'इंडिपेंडेंट डेमोक्रेटिक वाइस ऑफ बर्मा' द्वारा जारी फुटेज में दिख रहा है कि जो लोग भाग रहे हैं वे एक घायल व्यक्ति को ले जा रहे हैं जबकि दो अन्य को होश में लाने की कोशिश कर रहे हैं जिनमें से एक मरणासन्न या मृत लग रहा है। सहायता समूह के मुताबिक, हलियांग थार यार वह इलाका है जहां रविवार को 22 नागरिकों की मौत हुई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए और बड़ी संख्या में जुंटा बल इलाके में तैनात हैं। म्यांमा में तख्ता पलट के बाद गत छह हफ्ते से आपातकाल लागू है लेकिन रविवार देर शाम सरकारी प्रसारक एमआरटीवी ने पहली बार मार्शल कानून का जिक्र किया जिससे प्रतीत होता है कि सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस के बजाय सेना ने सीधे अपने हाथ में ले ली है। घोषणा में कहा गया कि सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बहाल करने के लिए यांगून के क्षेत्रीय कमांडर को उसके नियंत्रण वाले क्षेत्र में प्रशासनिक, न्यायिक और सैन्य अधिकार दिए गए हैं।

कैपिटल हिल दंगे में शामिल होने वाला आरोपी रखता था हिटलर जैसी मूंछें, फोन से मिले नाजी समर्थक कार्टून

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के कैपिटल हिल (संसद परिसर) में जनवरी को हुए दंगे में शामिल होने का आरोपी टिमोथी हेल कुसनेल्ली नाजी से सहानुभूति रखने वाले के तौर पर जाना जाता था और हिटलर की तरह मूंछ रखता था। यह जानकारी सैन्य संगठन में उसके साथ काम करने वाले लोगों ने संघीय जांचकर्ताओं को पूछताछ के दौरान दी है। एजेंसियों ने बताया कि 30 वर्षीय कुसनेल्ली छह जनवरी को कथित रूप से कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) में दाखिल होने के दिन तक नौसैन्य अड्डे पर सुरक्षा कांट्रैक्टर के तौर पर कार्य कर रहा था। संघीय अभियोजकों द्वारा शुक्रवार को वाशिंगटन की अदालत में जमा कराए गए दस्तावेजों के मुताबिक, न्यूजर्सी के कोल्ट नेक स्थित नौसेना हथियार केंद्र में कार्यरत आरोपी के सहकर्मियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि कुसनेल्ली श्वेतों को सर्वश्रेष्ठ समझता है।

अभियोजकों ने दस्तावेजों के साथ कुसनेल्ली के मोबाइल फोन में मौजूद तस्वीर भी पेश कीं, जिसमें वह हिटलर की तरह मूंछे रखे हुए है। उसके मोबाइल फोन में नाजी समर्थक कार्टून भी थे। एक नौसैनिक के मुताबिक कुसनेल्ली ने उससे कहा था, '' वह सभी यहूदियों को मारकर नाश्ते, दोपहर एवं रात के खाने में खाना चाहता है। वह उनका स्वाद लेना चाहता है क्योंकि उनके आंसुओं का स्वाद काफी स्वादिष्ट होगा।'' एक अन्य सहकर्मी ने बताया कि कुसनेल्ली ने महिलाओं, अश्वेतों और अन्य अल्पसंख्यकों को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। अभियोजक पक्ष ने तर्क दिया है कि कुसनेल्ली आम जनता के लिए खतरा है और सुनवाई होने तक उसे जेल में ही रखा जाना चाहिए। हालांकि, कुसनेल्ली के वकील जोनाथ जकर ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उनका मुवक्किल श्वेतों को सर्वश्रेष्ठ समझने वाले किसी संगठन से जुड़ा है।

कोरोना टीकाकरण से जम रहे खून के थक्के, इस टीके पर लगाई गई रोक

लंदन। आयरलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने नॉर्वे में टीकाकरण के बाद खून के थक्के जमने संबंधी रिपोर्ट सामने आने के बाद 'एस्ट्राजेनेका' टीके के इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगा दी है। आयरलैंड के उप प्रमुख चिकित्सकीय अधिकारी डॉ. रोनन ग्लिन ने बताया कि नॉर्वे में चिकित्सकीय एजेंसी ने 'एस्ट्राजेनेका' टीका लगाए जाने के बाद वयस्कों में खून के थक्के जमने के चार मामलों की जानकारी दी है, जिसके बाद इसके इस्तेमाल पर रोक लगाने की रविवार को सिफारिश की गई। उन्होंने कहा कि हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि टीका और इन मामलों के बीच क्या संबंध हैं, लेकिन एहतियातन रोक लगाई गई है।

ब्रितानी-स्वीडिश कंपनी 'एस्ट्राजेनेका' ने रविवार को एक बयान में कहा, ''वह स्पष्ट वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर अपने कोविड-19 टीके का इस्तेमाल सुरक्षित होने को लेकर आश्वस्त करना चाहती है। लोगों की सुरक्षा हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी। इस मामले की समीक्षा की जा रही है, लेकिन उपलब्ध साक्ष्य इस बात की पुष्टि नहीं करते कि इन मामलों का कारण टीका लगाया जाना है।'' इससे पहले, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूरोपीय संघ के चिकित्सकीय नियामक ने कहा था कि इस टीके और खून के थक्के जमने के मामलों के बीच कोई संबंध नहीं है।

बाइडेन प्रशासन में पहली बार दो अमेरिकी मंत्री होंगे जापान की यात्रा पर, चीन को लेकर होगी चर्चा

तोक्यो। अमेरिका में जो बाइडेन के राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद पहली बार दो अमेरिकी मंत्री जापान की यात्रा पर अपने जापानी समकक्षों से आमने-सामने की वार्ता के लिए आ रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस दौरान वार्ता के केंद्र में चीन की क्षेत्र में बढ़ते प्रभाव से जुड़ी चिंताए होंगी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन अपने जापानी समकक्षों और शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने के लिए तोक्यो रवाना हो चुके हैं। माना जा रहा है कि पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की तुनकमिजाजी भरे व्यवहार के मद्देनजर वे क्षेत्र और अपने गठबंधन की अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को दोहराएंगे। दोनों अमेरिकी मंत्री 'टू प्लस टू' वार्ता के तहत मंगलवार को जापान के विदेशमंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षामंत्री लोबुओ किशी के साथ राजनयिक और सुरक्षा वार्ता करेंगे। वाशिंगटन पोस्ट में सोमवार को प्रकाशित लेख में ब्लिंकन और ऑस्टिन ने कहा, ''अमेरिका अपने मित्रों और साझेदारों के साथ संबंधों में नई जान फूंकने के लिए बड़ी पहल कर रहा है। यह द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संस्थाओं के साथ संबंध दोनों में हो रहा है। हम अपने साझा लक्ष्यों, मूल्यों और जिम्मेदारियों को लेकर प्रतिबद्धताओं को दोहराते हैं।'' दोनों मंत्रियों ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को खुला रखने के अमेरिका और अन्य के साझा मूल्य एवं सिद्धांत होने के बावजूद ''चीन बलपूर्वक इस इलाके पर अपना प्रभाव बनाने की इच्छा रखता है।'' उन्होंने कहा, ''हम एक बार फिर देखेंगे कि हमारे साझेदारों के साथ काम करना कितना महत्वपूर्ण है।'' ब्लिंकन और ऑस्टिन ने लिखा कि अमेरिकी सैन्य ताकत को बरकरार रखते हुए अमेरिका कूटनीति के साथ आगे बढ़ेगा और अपने साझेदारों के साथ नयी शुरुआत करेगा व सुनिश्चित करेगा कि हमारे समय के खतरे एवं अवसरों के लिए ये उपयुक्त हो।'' उन्होंने कहा कि वे मिलकर चीन को उसके मानवाधिकार उल्लंघन, शिनजियांग, तिब्बत के साथ-साथ हांगकांग एवं ताइवान और अन्य समस्याओं के लिए जवाबदेह बना सकेंगे।

प्रचंड ने अपनी पार्टी के नाम से माओवादी केन्द्र हटाने का रखा प्रस्ताव

काठमांडू। (एजेंसी)।

नेपाल के नेकपा-माओवादी केन्द्र (एमसी) के प्रमुख पुष्प कमल दहल ''प्रचंड'' ने पार्टी को देश में कम्युनिस्ट ताकतों के लिए स्वीकार्य बनाने हेतु 'माओवादी केन्द्र' हटाने का प्रस्ताव रखा है क्योंकि ऐसी शक्तिओं को माओवाद पसंद नहीं है। सोमवार को मीडिया में ऐसी खबरें आयीं। 'हिमालयन टाईम्स' की खबर के अनुसार नेकपा-माओवादी केन्द्र के सदस्य शिव कुमार मंडल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड सदैव ही देश की सभी कम्युनिस्ट शक्तियों के बीच एकजुटता के पक्ष में रहे हैं और सुझाव दिया कि यदि पार्टी के नाम से 'माओवादी केन्द्र' हटाने से इन शक्तियों को एकजुट होने में मदद मिल सकती है तो पार्टी उसके लिए तैयार है। पार्टी के नाम में बदलाव का प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब नेकपा-माओवादी केन्द्रथोड़ी मुश्किलों में है क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के नेकपा-एमाले का नेकपा-माओवादी केन्द्र में विलय को खारिज कर दिया है।

इससे एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गयी जहां प्रधानमंत्री ओली पार्टी में अपनी स्थिति मजबूत होने के रूप में देखते हैं। उन्हें केंद्रीय समिति और संसदीय दल में स्पष्ट बहुमत प्राप्त है। खबर के अनुसार नेकपा-एमाले के नेपाल धड़े के नेता-- माधव कुमार नेपाल और झालानाथ खनल, जिन्होंने प्रधानमंत्री के पद से ओली के इस्तीफे की मांग में प्रचंड से हाथ मिला लिया था, अब अपनी स्थिति कमजोर पा रहे हैं। 2017 के आम चुनाव में नेकपा-एमाले और नेकपा-माओवादी केन्द्र के गठबंधन की जीत के बाद दोनों ही दलों ने मई, 2018 में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के रूप में आपस में विलय कर लिया था। दिसंबर, 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा को भंग करने के ओली के कदम के बाद सत्तारूढ़ एनसीपी में विभाजन हो गया था। अपने ऐतिहासिक फैसले में शीर्ष अदालत ने संसद के निचले सदन को बहाल कर दिया था।

नेपाल के चुनाव आयोग ने मंगलवार को नेकपा-एमाले और नेकपा-माओवादी केन्द्र से कहा कि उनके विलय के निर्णय को उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज कर दिये जाने के बाद यदि वे अब फिर विलय करने का फैसला हैं तो उन्हें नये नाम और चुनाव निशान के साथ सामने आना होगा। हालांकि दोनों दलों के बीच राजनीतिक टकराव तब और बढ़ गया जब प्रचंड ने दूसरी बार रविवार को अपने मंत्रियों को सामूहिक रूप से इस्तीफा देकर ओली सरकार से बाहर आने को कहा। मंडल ने कहा कि दुनिया में कई कम्युनिस्ट शक्तियां हैं जो मानती हैं कि मार्क्स और लेनिन के सिद्धांत ही साम्यवाद के असली सिद्धांत हैं और माओवादी सेंटर उन लोगों के लिए भटकाव हो सकता है जो अपने दलों का इस धड़े के साथ विलय चाहते हैं। खबर के अनुसार मंडल ने कहा, '' हमारी पार्टी ने नेपाल के अपने राजनीतिक सिद्धांत के रूप में 'प्रचंडपथ' विकसित किया था लेकिन जब हमारी पार्टी ने नारायण काजी श्रेष्ठ के नेतृत्व वाले कम्युनिस्ट संगठन के साथ एकता सौदा किया तब प्रचंड प्रचंडपथ छोड़ने को तैयार हो गए क्योंकि श्रेष्ठ धड़े द्वारा शर्त लगायी गयी थी।

नाबालिग लड़की को शादी की लालच देकर भगा ले गए

३० साल पहले नाबालिग लड़की को भगा ले गया ७० वर्षीय वृद्ध गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

राजकोट ग्रामीण पुलिस ने ३० साल पहले नाबालिग लड़की को शादी की लालच देकर भगा ले गए शख्स को गिरफ्तार कर लिया। घटना के वक्त आरोपी शख्स की उम्र ४० थी जो अब ७० साल का हो गया है। हांलाकि जिस लड़की को आरोपी भगा ले गया था, वह पुलिस को नहीं मिली। राजकोट पुलिस ने आरोपी को धोराजी पुलिस के हवाले कर दिया है। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले की धोराजी तहसील के सुपेडी गांव से वर्ष १९९१ में ४० वर्षीय धीरू सोवसिया नामक शख्स एक नाबालिग लड़की को शादी की लालच देकर भगा ले गया था। तीन संतानों का पिता धीरू सोवसिया लड़की के माता-पिता के साथ मजदूरी करता था और उसके घर के निकट ही रहता था। उस वक्त धोराजी पुलिस ने धीरू सोवसिया के खिलाफ मामला दर्ज कर शुरूकी थी। इस बीच

राजकोट ग्रामीण पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी धीरू सोवसिया कोटडा सांगाणी के बिलेश्वर मंदिर के निकट रहता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने धीरू सोवसिया को गिरफ्तार कर लिया। हांलाकि जिस लड़की को धीरू भगा ले गया था, वह उसके साथ नहीं थी। जांच में पता चला कि धीरू सोवसिया नाबालिग लड़की भगा कर सूरत ले गया, जिसके जरिए दो संतान भी हुए। हांलाकि पांच साल तक लड़की आरोपी के साथ रही और बाद में अपनी दोनों संतानें उसे सौंप कर कहीं चली गई। आरोपी कहना है कि लड़की से हुए दोनों संतानों की बीमारी के कारण मौत हो चुकी है।

लड़की के जाने के बाद आरोपी सूरत, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश इत्यादि राज्यों में रह रहा था। फिलहाल राजकोट ग्रामीण पुलिस ने आरोपी धीरू सोवसिया को धोराजी पुलिस के हवाले कर दिया है।

एसएमसी की गंभीर लापरवाही, बगैर कोरोना टीका लिए जारी किया प्रमाण पत्र

क्रांति समय दैनिक

सूरत महानगर पालिका (एसएमसी) कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर घोर लापरवाही सामने आई है। एसएमसी ने फिर एक बार ऐसे व्यक्तियों को प्रमाण

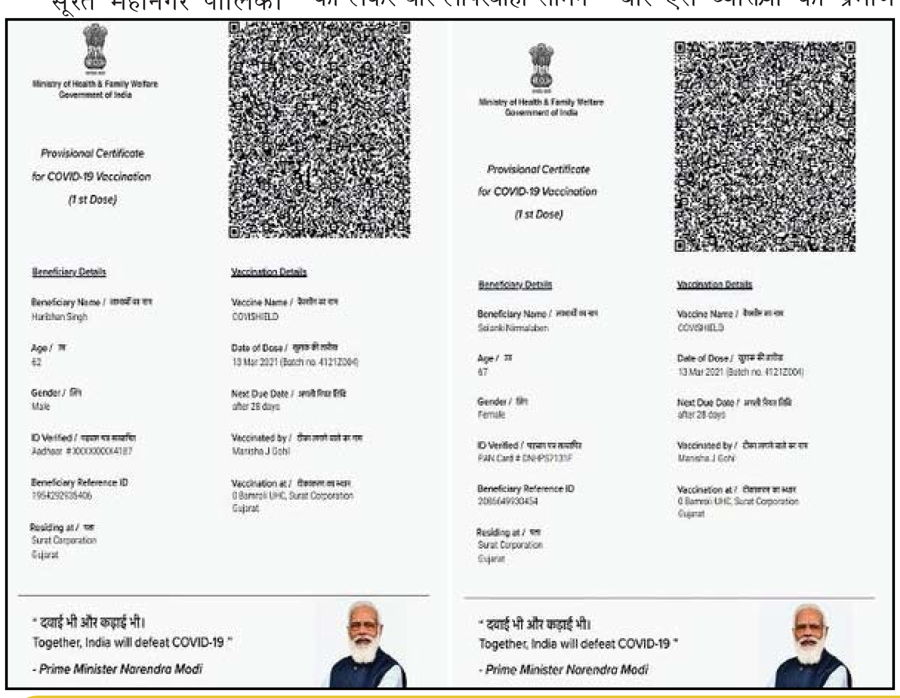

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

Provisional Certificate
for COVID-19 Vaccination
(1 st Dose)

Beneficiary Details
Beneficiary Name / लाभार्थी का नाम
Haribhan Singh
Age / आयु
62
Gender / लिंग
Male
ID Verified / पहचान पत्र सत्यापित
Aadhaar # XXXXXXXX4187
Beneficiary Reference ID
1954292938406
Residing at / पता
Surat Corporation
Gujarat

Vaccination Details
Vaccine Name / वैक्सीन का नाम
COVISHIELD
Date of Dose / खुराक की तारीख
13 Mar 2021 (Batch no. 4121Z004)
Next Due Date / अगली देय तिथि
after 28 days
Vaccinated by / टीका लगाने वाले का नाम
Manisha J Gohil
Vaccination at / टीकाकरण का स्थान
0 Bamroli UHC, Surat Corporation
Gujarat

" दवाई भी और कड़ाई भी।
Together, India will defeat COVID-19 "
- Prime Minister Narendra Modi

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

Provisional Certificate
for COVID-19 Vaccination
(1 st Dose)

Beneficiary Details
Beneficiary Name / लाभार्थी का नाम
Solanki Nirmalaben
Age / आयु
67
Gender / लिंग
Female
ID Verified / पहचान पत्र सत्यापित
PAN Card # DNHPS7131F
Beneficiary Reference ID
2086449930454
Residing at / पता
Surat Corporation
Gujarat

Vaccination Details
Vaccine Name / वैक्सीन का नाम
COVISHIELD
Date of Dose / खुराक की तारीख
13 Mar 2021 (Batch no. 4121Z004)
Next Due Date / अगली देय तिथि
after 28 days
Vaccinated by / टीका लगाने वाले का नाम
Manisha J Gohil
Vaccination at / टीकाकरण का स्थान
0 Bamroli UHC, Surat Corporation
Gujarat

" दवाई भी और कड़ाई भी।
Together, India will defeat COVID-19 "
- Prime Minister Narendra Modi

पत्र जारी कर दिया है, जिन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया। शनिवार को ऐसा पहला मामला सामने आया था। जिसके बाद वहीं गलती रविवार को भी सामने आई, जिसमें दो लोगों को बगैर कोरोना टीका लगवाए सर्टिफिकेट जारी कर दिया। दरअसल सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में रहनेवाले अनूपसिंह ने १० मार्च को ६२ वर्षीय अपने पिता हरिभान सिंह और माता अन्नपूर्णासिंह कोरोना टीकाकरण के लिए एजीओ के

जरिए पंजीकरण करवाया था। १३ मार्च को सिंह दंपत्ति को सूरत के बमरोली स्वास्थ्य केन्द्र पर टीका

लगवाने जाना था। टीका लगवाने से पहले ही हरिभानसिंह हरिद्वार रवाना हो गए थे, जो अब तक सूरत नहीं लौटे।

कोरोना का टीका नहीं लगवाने के बावजूद हरिभानसिंह को टीका लगवाने का प्रमाण पत्र मिल गया।

जिसे देख परिवार चौंक उढ़ा। दूसरी चौंकाने वाली बात है कि टीका लगाने वाली जिस मनीषा गोहिल नामक नर्स का प्रमाण पत्र में उल्लेख किया गया है वह दो महीने से छुट्टी पर है।

बगैर कोरोना टीका लगवाए प्रमाण पत्र जारी करने के मामले को लेकर एसएमसी समझ नहीं पा रही है कि आखिर गड़बड़ी कहां हुई है। एक के बाद एक तीन मामले सामने आने के बाद एसएमसी ने जांच शुरूकी है।

गुजरात में कोरोना के ८९० नए मरीज, आधे केस अहमदाबाद और सूरत

क्रांति समय दैनिक

गुजरात में फिर एक बार कोरोना बेकाबू हो चला है। सोमवार को गुजरात में कोरोना के ८९० नए मरीज सामने आए हैं और इसमें आधे से अधिक केस अहमदाबाद और सूरत कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं। दिवाली त्यौहारों के बाद बड़ी मुश्किल में काबू में आए कोरोना फिर एक बार रफ्तार पकड़ ली है। आज सूरत कॉर्पोरेशन में एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई। जबकि राज्य में ५९४ मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले २४ घंटों में कोरोना के सबसे अधिक २४० केस सूरत कॉर्पोरेशन में सामने आए। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में २०५, राजकोट कॉर्पोरेशन में ७९, वडोदरा कॉर्पोरेशन में ७६, भरूच में ३१, खेडा में २३, सूरत में २२, वडोदरा में १७, राजकोट में १६, दाहोद में १५, आणंद, नर्मदा और पंचमहल में १४-१४, जामनगर में ११, भावनगर

कॉर्पोरेशन, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, कच्छ और मेहसाणा में १०-१०, साबरकांठा में ९, गांधीनगर और महीसागर में ८-८, अमरेली में ६, जूनागढ़ और पाटन में ५-५ समेत राज्यभर में कोरोना के कुल ८९० नए केस दर्ज हुए। जबकि ५९४ मरीज कोरोना से ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य में अब तक २६९९५५ कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं। सोमवार को सूरत कॉर्पोरेशन में १ मरीज की मौत के साथ राज्य में कोरोना से मरने वालों की संख्या ४४२५ पर पहुंच गई है। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। ४७१७ सक्रिय मरीजों में ४६६१ स्टेबल हैं और ५६ मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। सोमवार को बनासकांठा, बोटाद, छोटाउदेपुर, डांग और वलसाड समेत राज्य के ५ जिलों में कोरोना का एक भी केस सामने नहीं आया। राज्य में अब तक २०६९९१८ लोगों को पहला और ५१५८४२ लोगों को कोरोना का दूसरा लगाने की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है।

वहीं आज ६० वर्ष से अधिक आयु के और ४५ से ६० साल के गंभीर बीमारियों से पीड़ित ८९१३८ कोरोना का टीका लगाया गया।

सार-समाचार

बाइक स्लीप होकर डिवाइडर के खंभे से टकराई, दो भाइयों की मौत

अहमदाबाद,शहर के एसजी हाईवे पर पकवान अंडरब्रिज में मोटर साइकिल स्लीप होकर रोड डिवाइडर के खंभे से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दो भाइयों की मौत हो गई। एसजी हाईवे ट्रैफिक-२ पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के मूल निवासी किशनसिंह राजुसिंह राजपूत चोटीला-थान रोड स्थित एक पेट्रोल पंप पर नौकरी करता है। किशनसिंह का भाई प्रकाशसिंह राजपूत बोटाद के एक पेट्रोल पर पंप पर नौकरी करता था। प्रकाशसिंह रात गत रात्रि अहमदाबाद के मकरबा में रहनेवाले देवेन्द्रसिंह नारायणसिंह राजपूत के साथ मोटर साइकिल पर पकवान अंडर ब्रिज से गुजर रहा था। उस वक्तअंडर ब्रिज में मोटर साइकिल अचानक स्लीप होकर डिवाइडर के खंभे से जा टकराई। इस हादसे में प्रकाशसिंह और देवेन्द्रसिंह के गंभीर रूप से घायल होने पर सोला सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों युवकों की मौत हो गई। एसजी हाईवे ट्रैफिक-२ पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरूकी।

आतंकी गतिविधियां और संगठित अपराध से निपटने गुजसीटोक जैसा कड़ा कानून बनाया : गृह राज्यमंत्री

गांधीनगर,गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने आज कहा कि सीमा पार से आतंकी गतिविधियां और संगठित अपराधों से निपटने के लिए गुजरात सरकार ने गुजसीटोक जैसा कड़ा कानून बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे उस वक्त राज्य के अभूतपूर्व विकास के कारण आतंकवादियों की गुजरात पर गिद्ध नजर रहती थी। गुजरात एक सीमावर्ती राज्य है और उसकी सीमा पाकिस्तान से सटी है। साथ ही गुजरात के १६०० किलोमीटर लंबे तटीय क्षेत्र, महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाइयां, धार्मिक स्थलों की वजह से समुद्री सीमा पर हमले की संभावना और गुजरात की शांति, सुरक्षा एवं समृद्धि बरकरार रखने के लिए राज्य में गुजसीटोक जैसे कानून की जरूरत थी। विधानसभा में कच्छ में गुजसीटोक कानून के तहत मामलों में तेजी से सुनवाई के लिए खास कोर्ट स्थापना के बारे में गए सवाल के उत्तर में कानून मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने कहा कि कच्छ जिला सीमावर्ती होने से भूतकाल में सीमा पार से अनेक गैरकानूनी गतिविधियां चलती थीं। संवेदनशील सीमाई इलाका होने से घुसपैठ, ड्रग्स की तस्करी या किसी प्रकार की अराजता फैलने से रोकने के लिए गुजरात कंट्रोल ऑफ टेररिजम एन्ड ऑर्गेनाइज्ड् क्राइम एक्ट (गुजसीटोक) के तहत दर्ज ऐसे मामलों पर तेजी से सुनवाई और जल्द फैसला हो इसके लिए कानून विभाग द्वारा १९ सितंबर २०२० को अधिसूचना जारी कर खास कोर्ट की स्थापना की गई है। जाडेजा ने कहा कि अतीत में कच्छ जैसे सीमावर्ती जिले में सीमा पार से स्मगलिंग की अनेक घटनाएं दर्ज हुई हैं। सीमा पार से जासूसी भी की गई और हथियारों की तस्करी की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। वर्ष २०१८ और २०१९ में गुजरात राज्य की बाहोश पुलिस ने कच्छ के तटीय और सरहदी क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर ड्रग्स बरामद किया था। जिसके तार सीधे पाकिस्तान से जुड़े होने का जांच में खुलासा हुआ था। इसलिए राज्य में आतंकी गतिविधियां और संगठित अपराध की रोकथाम और संगठित अपराधों को अंजाम देनेवाले अपराधियों की अवैध संपत्ति व काले धन से देश की अर्थव्यवस्था पर होनेवाली

शादी की लालच देकर युवक ने युवती से किया दुष्कर्म, ऑनलाइन गेम के दौरान हुआ था संपर्क

क्रांति समय दैनिक वडोदरा, मुंबई की एक युवती ने वडोदरा के सयाजीगंज पुलिस थाने में इंजीनियरींग के विद्यार्थी के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। युवती का आरोप है कि युवक ने शादी की लालच देकर वडोदरा, आणंद और गांधीनगर की अलग अलग होटलों में ले जाकर उसके साथ कई दफा दुष्कर्म किया। युवती की शिकायत के आधार पर सयाजीगंज पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक खेडा जिले के कपड़वंज में मेघ मिनेश पटेल नामक युवक इंजीनियरींग की पढ़ाई करता है। ऑनलाइन गेम के दौरान मेघ का संपर्क मुंबई की एक युवती से हुआ और उसके बाद दोनों ने अपने मोबाइल नंबरों का आदान प्रदान किया। अक्सर दोनों के बीच बातचीत होने लगी और उस दौरान मेघ ने शादी की लालच देकर युवती का विश्वास संपादित किया। बाद में मेघ ने युवती को वडोदरा बुलाया और एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। चूंकि मेघ ने शादी का वादा किया था, इसलिए युवती ने कोई विरोध नहीं किया। २२ अक्टूबर २०२० से ४ फरवरी २०२१ के दौरान दोनों के बीच कई मुलाकातें हुई और वडोदरा, आणंद और गांधीनगर की अलग अलग होटलों में शारीरिक संबंध भी बनाए। लेकिन बाद में मेघ ने युवती के साथ शादी करने से इंकार कर दिया। मेघ के इंकार ने युवती को झकझोर दिया। ठगे जाने का अहसास होने के बाद पीड़ित युवती ने वडोदरा के सयाजीगंज पुलिस थाने में मेघ पटेल के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मनीष सिसोदिया का आरोप, उपराज्यपाल के जरिए दिल्ली में सरकार चलाना चाहती है भाजपा

नयी दिल्ली। दिल्ली की आम आदमी पार्टी और केंद्र की भाजपा सरकार में आने वाले दिनों में तकरार बढ़ सकती है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने दावा किया कि केंद्र सरकार दिल्ली में चुनी हुई सरकार को खत्म करना चाहती हैं। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक मनीष सिसोदिया ने कहा कि केंद्र सरकार संसद में दिल्ली के संबंध में असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक बिल लेकर आई है। केंद्र सरकार त्नहष्टञ्जष्ठ एक्ट में बदलाव करने के लिए एक संशोधन बिल लेकर आई है। इस बिल में लिखा है कि इसके आने के बाद दिल्ली सरकार का मतलब होगा उप राज्यपाल। मनीष सिसोदिया ने आगे कहा कि दिल्ली में चुनी हुई सरकार का मतलब अब कुछ नहीं होगा। ये बहुत खतरनाक संशोधन है। इसमें लिखा है कि चुनी हुई सरकार जो फैसले लेगी उसकी फाइल अब उप राज्यपाल के पास भेजनी पड़ेगी। इससे पहले सिसोदिया ने ट्वीट किया कि बीजेपी आज संसद में नया क़ानून लेकर आई है - 1. दिल्ली में उपराज्यपाल ही सरकार होंगे। 2. मुख्यमंत्री, मंत्री को अपनी हर फ़ाईल एलजी के पास भेजनी होगी। चुनाव के पहले बीजेपी का घोषणापत्र कहता है कि दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाएँगे। चुनाव जीतकर कहते हैं दिल्ली में एलजी ही सरकार होंगे।

किसान नेता का दावा, आंदोलन कर रहे किसान संगठन कांग्रेस के खरीदे हुए

किसान आंदोलन अब राजनीतिक रूप ले चुका है। यह हम नहीं बल्कि किसान नेता ही दावा कर रहे हैं। दरअसल, भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने दावा किया है कि जो भी किसान संगठन सिंघु बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर और टिकरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे थे वे सब कांग्रेस के खरीदे हुए या कांग्रेस के भेजे हुए संगठन थे। न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक भानु प्रताप सिंह ने कहा कि 26 जनवरी को हमें मालूम पड़ा था कि जितने भी यह संगठन सिंघु बॉर्डर, गाज़ीपुर बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे थे। ये सब कांग्रेस के खरीदे हुए और कांग्रेस के भेजे हुए संगठन थे। कांग्रेस इनको फंडिंग कर रही थी। भानु प्रताप सिंह ने दावा किया कि जब हमें मालूम पड़ा कि इन्होंने 26 जनवरी को पुलिस पर हमला किया। इन्होंने लाल किले पर दूसरा झंडा फहराया। उसी दिन हमने संकल्प लिया कि हम इनके साथ नहीं रहेंगे और हम चले आए। इससे पहले राकेश टिकैत पर हमला करते हुए भानु प्रताप सिंह ने कहा था कि राकेश टिकैत के पास पैसा है। उनका जहां मन है, वे वहां जाएं। वे लंदन जाए, अमेरिका जाए, जापान जाए, चंद्रमा पर जाए। मुझे क्या लेना देना है उनसे।

राजस्थान के सड़क हादसा में चार लोगों की मौत, अशोक गहलोत ने जताया शोक

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में सोमवार को एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बाड़मेर बालोतरा राजमार्ग पर मंडली के पास यह हादसा उस समय हुआ जब एक कार और ट्रेलर की टक्कर हो गयी। उन्होंने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गये हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हादसे पर शोक जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

लोकसभा में किशोर न्याय बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण संशोधन विधेयक पेश

नयी दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2021 पेश किया गया जिसमें मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित करने तथा जवाबदेही बढ़ाने के लिए जिला मजिस्ट्रेट तथा अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को सशक्त बनाया गया है। लोकसभा में महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने विधेयक पेश किया। कांग्रेस के शशि थरूर ने सदन के कामकाज के नियम 72 का उल्लेख करते हुए इस विधेयक को पेश किये जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन होता है। इसमें बाल अधिकारों से जुड़ी कई संस्थाओं की निगरानी को एक एजेंसी के तहत लाया जा रहा है। इस पर स्मृति ईरानी ने कहा कि यह विधेयक लाने का केंद्र सरकार को पूरा अधिकार है। इस विधेयक के लिए राज्यों से बात की गई और केरल ने भी इसका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बाल कल्याण समितियों को ज्यादा ताकत दी जा रही है। इससे बच्चों का बेहतर ढंग से संरक्षण में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक के माध्यम से किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 में संशोधन किया जा रहा है। इसके माध्यम से बच्चों के संरक्षण के ढांचे को जिलावार एवं प्रदेशवार मजबूत बनाने के उपाए किये गए हैं। इन प्रस्तावित संशोधनों में जे जे अधिनियम की धारा 61 के तहत गोद लेने के मुद्दे को जिला मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को अधिकृत किया गया है ताकि ऐसे मामलों का तेजी से निपटारा किया जा सके और जवाबदेही तय की जा सके। इसके तहत जिला अधिकारियों को कानून के तहत निर्बाध अनुपालन सुनिश्चित करने और कठिनाई में पड़े बच्चों के लिये सुसंगत प्रयास करने के लिये अधिकार सम्पन्न किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट को अधिनियम के तहत और अधिक सशक्त बनाते हुए कानून के सुचारू क्रियान्यवन का भी अधिकार दिया गया है जिससे संकट की स्थिति में बच्चों के पक्ष में समन्वित प्रयास किए जा सके।

भारत जरूरत के मुताबिक ब्रिटेन के समक्ष नस्लवाद का मुद्दा उठाएगा : जयशंकर

कोलकाता। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि जरूरत के मुताबिक भारत, ब्रिटेन के समक्ष वहां हुई नस्लवाद की कथित घटनाओं का मुद्दा उठाएगा। भारत को महात्मा गांधी की भूमि करार देते हुए विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि देश नस्लवाद को लेकर अपनी आंखें फेर नहीं सकता। यह बात जयशंकर ने भाजपा के सदस्य अश्विनी वैष्णव द्वारा शून्यकाल में भारतीय मूल की रश्मि सामंत का मुद्दा उठाए जाने पर कही। रश्मि सामंत को कथित नस्लवाद और 'साइबर-बुलिंग' की वजह से ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्र संघ की अध्यक्ष पद से अपने निर्वाचन के पांच दिन के भीतर ही इस्तीफा देना पड़ा था। रश्मि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्र संघ की अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुई पहली भारतीय महिला थीं। निर्वाचन के बाद सोशल मीडिया पर रश्मि के खिलाफ कई नस्लवादी टिप्पणियां की गईं। अंततः उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उच्च सदन में विदेश मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन के साथ भारत के मजबूत रिश्ते हैं और जब भी जरूरत होगी, वह उसके समक्ष ऐसे मामले जरूर उठाएगा।

जयशंकर ने कहा ''मैं सदन की भावना से अवगत हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि महात्मा गांधी की भूमि होने के नाते, हम नस्लवाद से कभी आंखें नहीं फेर सकते, चाहे वह कहीं भी हो। खास कर उस देश में, जहां भारतीय मूल के लोगों की बडी संख्या है।'' इससे पहले अश्विनी वैष्णव ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि रश्मि के अभिभावक हिंदू हैं और इसे ले कर एक फैकल्टी सदस्य ने खुलेआम उन्हें निशाना बनाया। जयशंकर ने कहा ''ब्रिटेन का मित्र होने की वजह से हमें भी उस देश की प्रतिष्ठा पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता है। मैं यह कहना चाहता हूं कि जरूरत के मुताबिक भारत, ब्रिटेन के समक्ष वहां हुई नस्लवाद की कथित घटनाओं का मुद्दा उठाएगा।'' उन्होंने कहा ''हम घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए हैं। हम नस्लवाद तथा किसी भी तरह की असहिष्णुता के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे।'' अश्विनी वैष्णव ने कहा ''ऐसा प्रतीत होता है कि ब्रिटेन में औपनिवेशिक दौर से अब तक भेदभाव चला आ रहा है।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक के उडूपी की मेधावी छात्रा रश्मि सावंत ने हर चुनौती पार की और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्र संघ के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित पहली भारतीय महिला होने का गौरव हासिल किया। ''लेकिन उनके साथ कैसा सलूक किया गया ? उनकी उपलब्धि पर गौरवान्वित होने के बजाय उन्हें निशाना बनाया गया और वह भी इस हद तक, कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। जिस फैकल्टी सदस्य ने उनके अभिभावकों के धर्म को लेकर सार्वजनिक रूप से प्रतिकूल टिप्पणियां की, उसे कोई सजा नहीं दी गई। अगर ऑक्सफोर्ड जैसे संस्थान में ऐसा होता है तो दुनिया में क्या संदेश जाएगा?''

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रश्मि ने ''किसी की भी भावनाओं को गैर इरादतन तरीके से आहत करने के लिए '' सार्वजनिक रूप से माफीनामा जारी किया था। लेकिन वह मानती हैं कि उन्हें सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया गया। भाजपा सदस्य ने ब्रिटेन के युवराज हैरी की पत्नी मेगन मर्केल द्वारा शाही घराने पर लगाए गए नस्लवाद के आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा ''एक समाज का आचरण उसके धर्म और मूल्यों का परिचायक होता है। अगर समाज में उच्च स्तर पर नस्लवाद इसी तरह जारी रहा तो निचले स्तर पर लोग किसका अनुसरण करेंगे?'' अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह इक्का दुक्का उदाहरण नहीं हैं बल्कि ब्रिटेन में प्रवासियों के साथ होने वाले सलूक से पूरी दुनिया अवगत है।

दिल्ली पूर्ण राज्य के दर्जे की हकदार है, सभी शक्तियां निर्वाचित सरकार के पास होनी चाहिए : अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को अरविंद केजरीवाल नीत दिल्ली सरकार का साथ देते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी की निर्वाचित सरकार के खिलाफ अधिकारों के दुरुपयोग की निंदा करते हैं, जबकि आम आदमी पार्टी ने 2019 से ही जम्मू-कश्मीर के

पुनर्गठन और उसका दर्जा छीनने का समर्थन किया। वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ट्वीट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि केन्द्र सरकार ने दिल्ली की निर्वाचित सरकार के अधिकार कम करने के लिए लोकसभा में एक विधेयक पेश किया है।

उमर ने ट्वीट किया है, ''2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन और राज्य का दर्जा छीने जाने का आप द्वारा समर्थन किए जाने के बावजूद, हम दिल्ली की निर्वाचित सरकार पर ऐसे हमले की निंदा करते हैं। दिल्ली पूर्ण राज्य का दर्जा पाने की हकदार है और सभी शक्तियां निर्वाचित सरकार के पास होनी चाहिए ना कि उपराज्यपाल के पास।'' केजरीवाल ने ट्वीट किया है, ''दिल्ली की जनता द्वारा नकारे जाने (विधानसभा में 8 सीटें और एमसीडी उपचुनाव में 0 सीटें) के बाद भाजपा लोकसभा में विधेयक के जरिए निर्वाचित सरकार की शक्तियां कम करना चाहती है। विधेयक संविधान पीठ के फैसले के विरुद्ध है। हम भाजपा के इस असंवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी कदम की निंदा करते हैं।

साजिशें मुझे चुनाव प्रचार करने से नहीं रोक सकतीं : ममता बनर्जी

झाल्दा (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि कोई भी साजिश उन्हें राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने से नहीं रोक सकती है और वह भाजपा के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगी। नंदीग्राम में प्रचार के दौरान घायल होने के बाद अपनी पहली रैली में बनर्जी ने कहा कि जब तक उनके गले में आवाज है और उनका हृदय धड़कता है, तब तक वह संघर्ष जारी रखेंगी। उन्होंने किसी का नाम लिये बगैर कहा, '' कुछ दिन इंतजार कीजिए, मेरे पैर सही हो जाएंगे। फिर मैं देखूंगी की कि आपके पांव बंगाल की जमीन पर ठीक से चलते हैं या नहीं।'' पुरूलिया में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, '' बस साजिश।''

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव जीतने के लिए कई नेताओं के साथ दिल्ली से आयी है। उन्होंने कहा, '' लेकिन मैं कहती हूं कि आपको बंगाल नहीं मिलेगा।'' उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने अपने 10 साल के शासन के दौरान ढेर सारे विकास कार्य एवं कल्याणकारी कार्य किये हैं। तृणमुल सुप्रीमो ने कहा, '' जितना काम हमारी सरकार ने किया है, दुनिया में कोई भी और सरकार उतना नहीं कर पायी है। उसके (भाजपा) प्रधानमंत्री देश को चला नहीं सकते, पूरी तरह अक्षम हैं।'' बनर्जी हाईप्रोफाइल सीट नंदीग्राम से पर्चा भरने के बाद 10 मार्च को वहां प्रचार के दौरान एक घटना में चोटिल हो गयी थीं, उनके पैर, सिर एवं सीने में चोट लगी थी। तृणमूल ने इसे 'उनकी जान लेने की भाजपा की साजिश' करार दिया। हालांकि चुनाव आयोग ने इस बात से इनकार किया कि मुख्यमंत्री पर हमला हुआ। आयोग ने कहा कि सुरक्षा प्रभारी की चूक की वजह से बनर्जी घायल हुईं।

कांग्रेस में फिट नहीं हो पा रहे हार्दिक पटेल! नए ठिकाने की कर रहे तलाश

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

हार्दिक पटेल वो युवा नेता, जिन्होंने 2015 में पाटीदारों के लिए ओबीसी कोटा की मांग वाले आंदोलन के साथ भाजपा सरकार को चुनौती दी थी आज वहीं नेता अपनी ही पार्टी कांग्रेस से खुद को अलग-थलग पा रहे है। ऐसा लग रहा है कि उनकी खुद की पार्टी ही ÷उन्हें नीचे गिराने में लगी हुई है। जब गुजरात के निकाय चुनाव के नतीजें सामने आए तो हार्दिक का दर्द भी सामने आया। उनके मुताबिक, निकाय चुनावों के दौरान न ही उनसे उम्मीदवार के बारे में कोई चर्चा की गई और न ही उन्हें पाटीदार बहुल इलाकों में पार्टी का प्रचार करने के लिए कहा गया। सवाल तो यह भी उछ रहे है कि अब अगर कांग्रेस से कोई नेता बाहर होता है तो क्या वो हार्दिक पटेल होंगे? क्या वह बागी बनकर पार्टी को छोड़ने का फैसला ले सकते है?

एक खबर को दिए इंटरव्यू में हार्दिक ने बताया कि, कांग्रेस के राज्य नेतृत्व ने नगर निगमों, नगर पालिका, जिला पंचायत या तालुका पंचायत चुनावों से पहले उनकी एक भी सार्वजनिक बैठक आयोजित नहीं की थी।पिछले 10 दिनों में, हार्दिक कहते हैं कि उन्होंने 27 सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया, सभी अपने दम पर।

अपनों ने ही किया पराया? क्यों खफा है हार्दिक : साल 2019 मार्च में जब राहुल गांधी ने हार्दिक पटेल को गुजरात कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया तो उनपर काफी बड़ी जिम्मेदारियां भी बढ़ी लेकिन उनकी यह खुशी नजदीकी प्रदेश पार्टी में तमाम बड़े चेहरों का बिल्कुल भी रास नहीं आई। माना जाता है कि, हार्दिक अपने कुछ लोगों को निकाय चुनावों में सूरत में अपने नजदीकी लोगों को टिकट देना चाहते थे लेकिन पार्टी में उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। आपको बता दें कि गुजरात कोर्ट ने कुछ समय पहले हार्दिक को गुजरात से बाहर निकलने पर रोक लगा दीथी लेकिन पिछले दिनों ही उन्हें पार्टी से संबंधित काम के सिलसिले में दिल्ली और अन्य स्थानों की यात्रा के लिए 15 दिनों के लिए राज्य के बाहर जाने की अनुमति दी है।

महिला कांग्रेस नेता लतिका सुभाष ने टिकट न मिलने पर कराया मुंडन, सोमवार को लेंगी निर्णायक फैसला

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

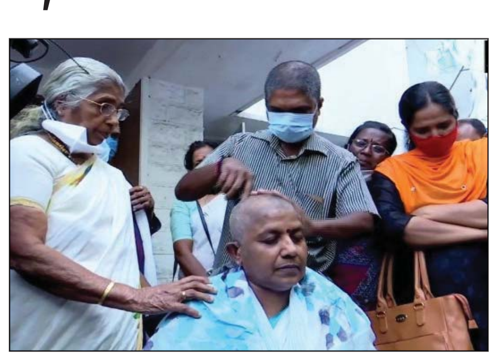

चुनाव में टिकट न मिलने से दुखी होकर महिला कांग्रेस की केरल इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने और सिर मुंडवाने के बाद लतिका सुभाष ने सोमवार को कहा कि वह अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में सोमवार शाम तक ''निर्णायक फैसला'' ले लेंगी। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इस प्रकार की अटकलें लग रही हैं कि वह विधानसभा चुनाव में अपने गृहनगर एत्तूमनूर से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर खड़ी होंगी। सुभाष ने कहा, ''मैं आज शाम तक अपने भविष्य के बारे में निर्णायक फैसला कर लूंगी। मैं अपने समर्थकों एवं शुभचिंतकों के साथ इस पर चर्चा कर रही हूं। मैं अभी इस बारे में कुछ नहीं कह सकती।''

सुभाष के निकट सूत्रों ने बताया कि वह एत्तूमनूर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे सकती हैं। इस सीट से वह आगामी चुनाव में पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छुक थीं। वह पहले ही कह चुकी हैं कि वह किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगी। पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी ने सोमवार को यह स्पष्ट किया कि इस समय सुभाष के साथ कोई बातचीत करने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें सीट मिलनी चाहिए, लेकिन सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शन से बचा जाना चाहिए था। केरल में कांग्रेस को तब अजीब स्थिति का सामना करना पड़ा था, जब सुभाष ने एत्तूमनूर सीट से टिकट नहीं मिलने के बाद रविवार को कांग्रेस की केरल इकाई की अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। सुभाष ने राज्य में छह अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों की सूची नयी दिल्ली में जारी होने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वरिष्ठ नेता सुभाष (56) ने टिकट नहीं मिलने पर विरोध जताने के लिए यहां पार्टी कार्यालय के सामने बैठकर अपने सिर के बाल भी मुंडवा लिये।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख मुल्लापल्ली रामचंद्रन द्वारा उम्मीदवारों की सूची की नयी दिल्ली में घोषणा करने के तुरत बाद सुभाष ने यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की सूची में महिला उम्मीदवार कम हैं। कांग्रेस द्वारा जारी 86 उम्मीदवारों की सूची में केवल 10 महिलाएं हैं। सुभाष ने रोते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी में उन सभी महिलाओं की ओर से विरोध के प्रतीक के रूप में अपने सिर के बाल मुंडाये हैं, जो अन्य उम्मीदवारों की सफलता के लिए कड़ी मेहनत करती रही हैं और उन्हें वर्षों तक नेतृत्व द्वारा दरकिनार और नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि वह ऐसे पद पर नहीं रहना चाहतीं, जो उन्हें एक चुनाव टिकट भी नहीं दिला सके। मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने उनके इन आरोपों को खारिज कर दिया कि उन्हें दरकिनार किया गया है।

कमला नेहरू ट्रस्ट मामले में शीला कौल के बेटे समेत 12 पर एफआईआर, कांग्रेस विधायक ने कहा- योगी सरकार पर है पूरा भरोसा

लखनऊ। (एजेंसी)।

रायबरेली जिले के चर्चित कमला नेहरू ट्रस्ट मामले में एक नया मोड़ आ गया है। सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र और उन्हीं की पार्टी की सांसद शीला कौल के बेटे विक्रम कौल, ट्रस्ट के सचिव सुनील देव, तत्तकालीन एडीएम वित्त एवं राजस्व मदन मोहन पाल आर्य, सब रजिस्टार घनश्याम, प्रशासनिक अधिकारी विध्वासिनी प्रसाद समेत 12 लोगों पर अभिलेखों में हेरा-फेरी कर जमीन को फ्री होल्ड कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई है। डीएम के निर्देश पर दर्ज हुई एफआईआर पर कांग्रेसी खेमे से लेकर प्रशासनिक तंत्र तक सभी में हड़कंप मचा है।

कमला नेहरू ट्रस्ट की जमीन को गांधी परिवार से जोड़ कर देखा जाता है। बता दें सिविल लाइन्स स्थिति करीब पांच बीघा भूमि को कमला नेहरू ट्रस्ट के नाम किया गया था। उस पर एक महाविद्यालय प्रस्तावित था। तब से ये जमीन पड़ी हुई है। इस पर करीब सैकड़ों लोगों ने रोजगार के लिए दुकाने लगा रखी थी। 16 दिसंबर 2020 को जिला प्रशासन ने हाई कोर्ट के आदेश पर कब्जा हटवाया था। इसके बाद अभिलेखों में हेरा-फेरी कर नजूल की जमीन को फ्री होल्ड करा दिया गया। जिसके बाद एडीएम वित्त ने मामले में 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। मौजूदा अपर जिलाधिकारी (एडीएम) वित्त एवं राजस्व प्रेम प्रकाश उपाध्याय की तहरीर पर दर्ज किया गया है। उपाध्याय ने शहर कोतवाली पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा कि कमला नेहरू एजुकेशनल सोसायटी की ओर से 6 फरवरी 2001 फ्रीहोल्ड के लिए आवेदन किया था। तत्कालीन नजूल लिपिक और प्रभारी अधिकारी नजूल सोसायटी के पदाधिकारियों के साथ मिलकर विधिक तथ्यों को छिपाते हुए जमीन को सोसायटी के पक्ष में बिना पट्टा प्राप्त किए फ्रीहोल्ड किए जाने की संस्तुति की गई।

कांग्रेस विधायक ने कहा- धन्यवाद

पूरे मामले पर कांग्रेस की बागी विधायक अदिति सिंह ने योगी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इस सरकार पर पूरा भरोसा है कि सरकार सभी को बगैर पक्षपात के न्याय देने का कार्य कर रही है। चाहे वो कितने भी बड़े पद पर क्यों न बैठा हो।

राजनाथ सिंह का दावा, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 2017 से भी ज्यादा सीटें जीतेगी भाजपा

लखनऊ। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को दावा किया कि 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 2017 की अपेक्षा अधिक सीटों पर विजय प्राप्त करेगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं, 2017 में हुये विधानसभा चुनाव में भाजपा को 312 सीटें जबकि इसके सहयोगी अपना दल (एस) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को क्रमशः नौ एवं चार सीटें मिली थी। रक्षा मंत्री ने भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के उद्घाटन भाषण में कहा, ''भाजपा में सबसे ताकतवर पन्ना प्रमुख (भाजपा की सबसे निचली इकाई) हैं और समीक्षा करेंगे तो पाएंगे तो यह सिर्फ सत्ता हासिल करने वाले कार्यकर्ताओं का झुंड ही नहीं बल्कि एक जीवंत पार्टी है, जिसका एक राजनीतिक दर्शन है।''

उन्होंने कहा, ''आप सीना ठोंक कर कह सकते हैं कि दार्शनिक अवधारणा लेकर भाजपा आगे बढ़ी है और सभी दलों का विभाजन हुआ लेकिन आज तक भाजपा का एक बार भी विभाजन नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों की सराहना करते हुए सिंह ने किसानों से कहा कि किसी भी समस्या का समाधान बातचीत के जरिये हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प किसानों की आमदनी दोगुनी करना है और किसी भी सूरत में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) समाप्त नहीं होगा। हम सभी किसान परिवार के ही हैं और कृषि जगत के हित के लिए जो होगा उसके संशोधन और समाधान के लिए हम तैयार हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के तीन नये कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल?ली की कई सीमाओं पर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान सौ दिन से ज्यादा समय से आंदोलन कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने चीन के मामले का जिक्र करते हुए कहा, ' हमारी सेना के जवानों ने शौर्य और पराक्रम के साथ संयम का परिचय दिया है और हम किसी पर आक्रमण करना नहीं चाहते हैं लेकिन अपनी भूमि पर कब्जा बर्दाश्त नहीं कर सकते।'' सिंह ने दावा किया कि भारत को वैश्विक महाशक्ति बनने से दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती है। उन्होंने कहा, मैं उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से जुड़ा हूं और जब प्रदेश के कार्यकर्ताओं से बातचीत का अवसर मिलता तो मैं खुद को पद और कद की सीमाओं में नहीं बांधता, मैं यह कहना चाहूंगा कि व्यक्ति पद और कद से बड़ा नहीं होता बल्कि व्यक्ति का कद कृतियों के कारण बड़ा होता है। सिंह ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भाजपा में आप कह नहीं सकते कि आपके साथ अन्याय हो रहा है।

सिंह ने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करते हुए मैंने कुछ मांगा नहीं, श्रम किया और जो श्रम करेगा उसे प्रतिष्ठा हासिल होगी। पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के स्मरण के साथ जनसंघ और भाजपा की राजनीतिक यात्रा की चर्चा करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सब भाग्यशाली हैं कि हमें भाजपा का कार्यकर्ता बनने का अवसर मिला। राजनीति में विश्वसनीयता के संकट पर केंद्रित होते हुए पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि राजनीति में विश्वसनीयता सबसे बड़ी पूंजी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कसौटी पर खरे उतरे हैं।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद370 के अधिकतर प्रावधान हटाने, तीन तलाक और अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास के उदाहरण के साथ उन्होंने कहा कि हमारी विश्वसनीयता पर किसी तरह की आंच नहीं आई है। हम राजनीति जाति, पंथ और मजहब की नहीं, इंसान और इंसानियत की करते हैं। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की कार्यसमिति की बैठक सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुरू हुई। बैठक का शुभारंभ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)